MARCH 2026

FULL THEORY

UTTAR PRADESH
जिला संक्षिप्तकी

भौकाल जारी है Selection कि आपकी बारी है

Exploring the Limts to break

JEET RANA SIR

1. लखनऊ मण्डल (Lucknow Division)

- गोमती नदी के उत्तरी-पश्चिमी तट पर स्थित लखनऊ, उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा मण्डल है ।

- इसके अंतर्गत कुल 6 जिले आते हैं: हरदोई, लखनऊ, रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर खीरी और उन्नाव ।

लखनऊ (Lucknow)

- **स्थापना और राजधानी:** इसकी स्थापना 1775 ई. में अवध के नवाब आसफुद्दौला द्वारा की गई थी । यह 1921 से 1935 तक उत्तर प्रदेश की आंशिक राजधानी रही और 1935 से अब तक पूर्णकालिक राजधानी है ।

- **अन्य नाम:** इसे प्राचीन काल में 'लक्ष्मणपुरी' कहा जाता था। इसके अन्य नाम नवाबों का शहर, बागों का शहर, गोल्डन सिटी और अवध हैं ।

- **प्रमुख पर्यटन स्थल:** बड़ा इमामबाड़ा (1786), छोटा इमामबाड़ा (1837), रूमी दरवाजा, छतर मंजिल, महाराजा बिजली पासी का किला, काकोरी, दिलकुशा कोठी और हुलासखेड़ा ।

- **कला एवं संस्कृति संस्थान:** राज्य ललित कला अकादमी (1962), उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी (1963), भारतेन्दु नाट्य अकादमी (1975), राष्ट्रीय कत्थक संस्थान, कला एवं शिल्प महाविद्यालय (1911) और रवीन्द्रालय नाट्य केन्द्र ।

- **कारागार:** आदर्श कारागार (1949), नारी बंदी निकेतन (1867), संपूर्णानंद कारागार प्रशिक्षण संस्थान (1940), जेल डिपो और अमीनाबाद ।

- **कृषि एवं व्यापारिक केन्द्र:** उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम (2002), राजकीय खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी संस्थान (1949), उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लाल बहादुर शास्त्री गन्ना किसान संस्थान (1975), एग्रो प्रोसेसिंग जोन और उत्तर प्रदेश निर्यात निगम लि. (1966) ।

- **केन्द्रीय संस्थान/संगठन:** सेन्ट्रल ड्रग रिसर्च इन्स्टीट्यूट, भारतीय प्रबंधन संस्थान, केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, सुदूर संवेदन उपयोग केन्द्र, पशु जैविक औषधि संस्थान, सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट फॉर सब ट्रॉपिकल हार्टीकल्चर, नेशनल बाटेनिकल गार्डन, बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियोबाटनी, नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेज और उत्तर प्रदेश फोरेंसिक साइंस इंस्टीट्यूट (निर्माणाधीन) ।

- **पार्क व सिटी:** लोहिया पार्क, एग्रो पार्क, एशिया का प्रथम डीएनए बैंक, प्रथम जैविक प्रौद्योगिकी पार्क, लुलू मॉल (प्रदेश का सबसे बड़ा शॉपिंग मार्केट), आइटी सिटी (विकासाधीन), रीजनल साइंस सिटी (देश का तीसरा), जनेश्वर मिश्र पार्क (एशिया का सर्वाधिक बड़ा), श्री कांशीराम ग्रीन (ईको) पार्क, रमाबाई अम्बेडकर मैदान, AI सिटी (निर्माणाधीन), मैग्नेट सिटी (निर्माणाधीन) और एयरो सिटी (विकासाधीन) ।

- **विश्वविद्यालय व मेडिकल संस्थान:** डॉ भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (1996 से केन्द्रीय), लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, संजय गाँधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, किंगजार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम टेक्निकल विश्वविद्यालय, डॉ. शकुन्तला मिश्र पुनर्वास वि.वि. (2008), ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा वि.वि. (2010), डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान (2018), उ.प्र. पुलिस और फोरेंसिक साइंस वि.वि. (निर्माणाधीन) एवं अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय ।

- **स्टेडियम:** के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम, श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना अन्तरराष्ट्रीय स्टेडियम और गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज ।

- **संग्रहालय व भाषा संस्थान:** मोतीलाल नेहरू बाल संग्रहालय, डॉ. अम्बेडकर पर्यावरण म्यूजियम, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान, उत्तर प्रदेश उर्दू, पंजाबी, सिंधी अकादमी और राज्य का पहला साक्षरता संग्रहालय (निर्माणाधीन) ।

- **वन्य जीव संरक्षण:** नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान, तितली पार्क, घड़ियाल पुनर्वास केन्द्र (कुकरैल) और प्रथम नाइट सफारी पार्क, कुकरैल (निर्माणाधीन) ।

- **करंट अफेयर्स:** * मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 21 अगस्त, 2024 को राजधानी लखनऊ में कीर्ति चक्र विजेता शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया ।

    - लखनऊ में राजा टोडरमल सर्वे ही "वीरांगना ऊदादेवी महिला पुलिस बटालियन" की स्थापना की गई है ।

रायबरेली (Raebareli)

- **परिचय व इतिहास:** यह जिला महाकाव्य कालीन नदी 'सई' पर स्थित है। यहाँ का डलमऊ नगर 'छोटा काशी' के नाम से जाना जाता है और यह ऋषि दाल्भ्य की तपस्थली रहा है।

- **पर्यटन स्थल:** शहीद स्मारक मुंशीगंज, महेश विलास पैलेस शिवगढ़, भारत माता मंदिर और डलमऊ।

- **औद्योगिक इकाइयाँ:** इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज, बिरला सीमेंट फैक्ट्री, भवानी पेपर मिल, नेशनल थर्मल पॉवर कॉरपोरेशन (NTPC) ऊँचाहार, मसाला पार्क, रेल कोच कारखाना और रेल पहिया कारखाना (प्रस्तावित)।

- **झीलें व संस्थान:** यहाँ की प्रमुख झीलें भुगेताल और विसैथाताल हैं। प्रमुख संस्थानों में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (NIFT), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फर्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (NIPER), एम्स (AIIMS) (निर्माणाधीन) और इंस्टीट्यूट ऑफ ड्रॉइविंग एण्ड ट्रैफिक रिसर्च (प्रदेश का पहला) शामिल हैं।

- **वन्यजीव संरक्षण:** समसपुर पक्षी विहार (सलोन के निकट) यहाँ स्थित है, जिसे रामसर आर्द्रभूमि (Ramsar Wetland) स्थल के रूप में शामिल किया गया है।

- **भौगोलिक तथ्य:** उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक लवणीय/क्षारीय मिट्टी (मृदा) रायबरेली जनपद में है।

हरदोई (Hardoi)

- इतिहास व पर्यटन: वैदिक काल में इसे 'हरिद्रोही' नाम से जाना जाता था । मध्यकाल में (1540 ई.) यहाँ शेरशाह और हुमायूँ के बीच बिलग्राम का युद्ध हुआ था । यहाँ के पर्यटन स्थलों में विक्टोरिया हॉल, संकट हरण मंदिर, नवाब दिलेर खाँ का मकबरा और दहर झील प्रमुख हैं ।

- वन्य जीव: यहाँ साण्डी पक्षी विहार (स्थापना- 1990, क्षेत्रफल- 03 वर्ग किमी.) स्थित है, जिसे रामसर आर्द्रभूमि स्थल में शामिल किया गया है ।

- संस्थान व मेला: यहाँ बेरिया घाट मेला लगता है । भूलेख प्रशिक्षण संस्थान, वेब्ले स्कॉट (ब्रिटिश-गन फैक्ट्री) और साइंस पार्क (संडीला) यहाँ के प्रमुख संस्थान हैं ।

- मेडिकल व विधानसभा: यहाँ राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज स्थित है । जिले में कुल 8 विधानसभा क्षेत्र हैं: सवायजपुर, शाहाबाद, हरदोई, गोपामऊ (अनु. जा.), सांडी (अनु. जा.), बिलग्राम-मल्लावा, संडीला और बालामऊ (अनु. जा.) ।

- कृषि व अन्य तथ्य: यहाँ टेक्सटाइल पार्क प्रस्तावित है । उत्तर प्रदेश में मक्का की सबसे ज्यादा उत्पादकता हरदोई में पाई जाती है । यह प्रदेश में गेहूँ का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला जिला है और यहाँ गेहूँ का सर्वाधिक क्षेत्रफल भी पाया जाता है ।

सीतापुर (Sitapur)

- **इतिहास व तीर्थ:** सम्राट विक्रमादित्य द्वारा स्थापित सीतापुर गोमती नदी के तट पर स्थित है । 88 हजार ऋषियों की तपोभूमि और त्रेतायुगीन तीर्थ स्थल 'नैमिषारण्य' इसी जिले में है । मुगल सम्राट अकबर के नवरत्नों में से एक टोडरमल का जन्म सीतापुर के लहरपुर ग्राम में हुआ था ।

- **पर्यटन स्थल:** ललिता देवी मंदिर, चक्रतीर्थ, ब्यास गद्दी, सूत गद्दी, पंच प्रयाग, पाण्डव किला, सीता कुण्ड, दधीचि कुण्ड, चक्र कुण्ड और दार्शनिक कुण्ड प्रसिद्ध हैं ।

- **भौगोलिक तथ्य व जनसंख्या:** सीतापुर के बासरा नामक स्थान पर शारदा और सरयू नदी का संगम होता है । उत्तर प्रदेश की सबसे ज्यादा अनुसूचित जातियाँ (SC) सीतापुर में ही निवास करती हैं ।

- **औद्योगिक क्षेत्र:** यहाँ प्लाईवुड उद्योग, गुड़ उद्योग और कटशाल दरी उद्योग चलते हैं । यह जनपद मुख्य रूप से सूती व ऊनी दरियों के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें लहरपुर और खैराबाद दरी उत्पादन व निर्यात के मुख्य केन्द्र हैं । रस्योरा में 15 एकड़ क्षेत्र में प्रदेश के पहले औद्योगिक पार्क (सात में से एक) की स्थापना की जा रही है ।

- **मेले:** नैमिषारण्य में फाल्गुन महीने में परिक्रमा मेला और ललिता देवी मेला लगता है ।

- **संस्थान व व्यक्तित्व:** रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑफथलमोलॉजी और आचार्य नरेन्द्र देव स्मृति पार्क (वानिकी की जानकारी हेतु) यहाँ स्थित हैं । डॉ. महेश प्रसाद मेहरे ने वर्ष 1926 में सीतापुर आँख अस्पताल की शुरुआत की थी । यहाँ के प्रमुख व्यक्तित्व नरोत्तम दास (रचना-सुदामा चरित्र), आचार्य नरेन्द्र देव और परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज पाण्डेय हैं । "नैमिषारण्य तीर्थ विकास परिषद" का मुख्यालय भी सीतापुर में है ।

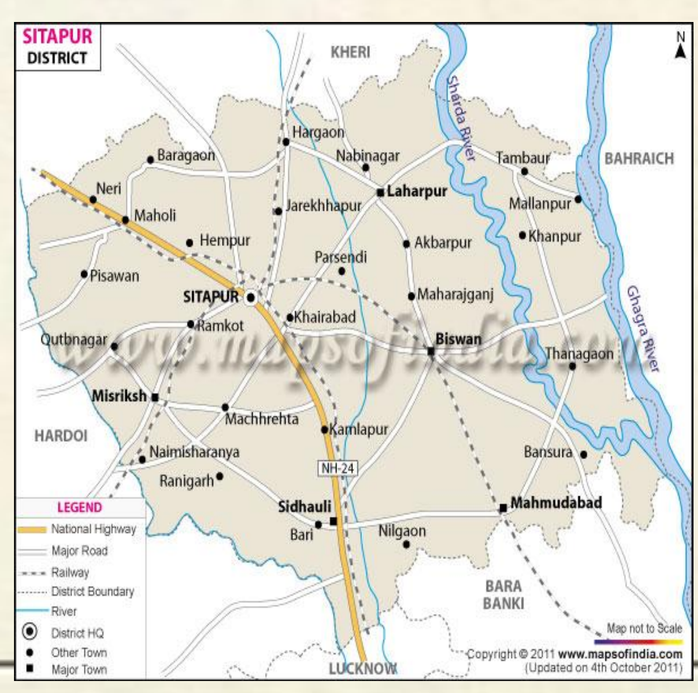

लखीमपुर खीरी (Lakhimpur Kheeri)

- **परिचय व पर्यटन:** नेपाल की सीमा पर स्थित लखीमपुर खीरी (क्षेत्रफल 7680 वर्ग किमी.) उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा जिला है । जिला मुख्यालय से 35 किमी दूर गोला-गोकर्ण नाथ में एक विशाल झील है, जहाँ कान के आकार में गोकर्ण नाथ महादेव का शिवलिंग स्थापित है । यहाँ इंदिरा मनोरंजन पार्क और मेढक मंदिर भी बेहद प्रसिद्ध हैं ।

- **वन रिपोर्ट (2023):** 18वीं वन रिपोर्ट के अनुसार लखीमपुर खीरी उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक अति सघन वन क्षेत्रफल वाला जिला है । यह प्रदेश का दूसरा सर्वाधिक वन क्षेत्रफल (पहला सोनभद्र) वाला जिला है । यह भी ध्यान दें कि 18वीं वन रिपोर्ट में प्रदेश के वनावरण में सबसे ज्यादा कमी इसी जिले में दर्ज की गई है ।

- **वन्य जीव संरक्षण:** 1977 में स्थापित 'दुधवा राष्ट्रीय उद्यान' (क्षेत्रफल 490.29 वर्ग किमी.) उत्तर प्रदेश का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान है और 1987 में इसे प्रदेश का 'पहला टाइगर रिजर्व' घोषित किया गया । वर्ष 1972 में यहाँ 'किशनपुर वन्य जीव विहार' (227 वर्ग किमी.) की स्थापना की गई थी ।

- **उद्योग व ओडीओपी (ODOP):** 'एक जिला एक उत्पाद' योजना के तहत थारू जनजातियों द्वारा निर्मित 'जनजातीय शिल्प' यहाँ का विशिष्ट उत्पाद है। प्राकृतिक सिल्क और पीतल ढलाई अन्य औद्योगिक इकाइयाँ हैं । लखीमपुर खीरी को 'चीनी का कटोरा' भी कहा जाता है ।

- **अन्य तथ्य:** यहाँ मकर संक्रांति पर 'गोला गोकर्ण नाथ मेला' लगता है । हवाई परिवहन के लिए यहाँ 'पलिया (सिविल) हवाई अड्डा' बनाया गया है । अंदेशनगर में 'केन्द्रीय पशु प्रजनन फार्म' स्थित है । 22 फरवरी 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहाँ के कुंभी गांव में भारत के पहले बॉयोपालिमर प्लांट की आधारशिला रखी ।

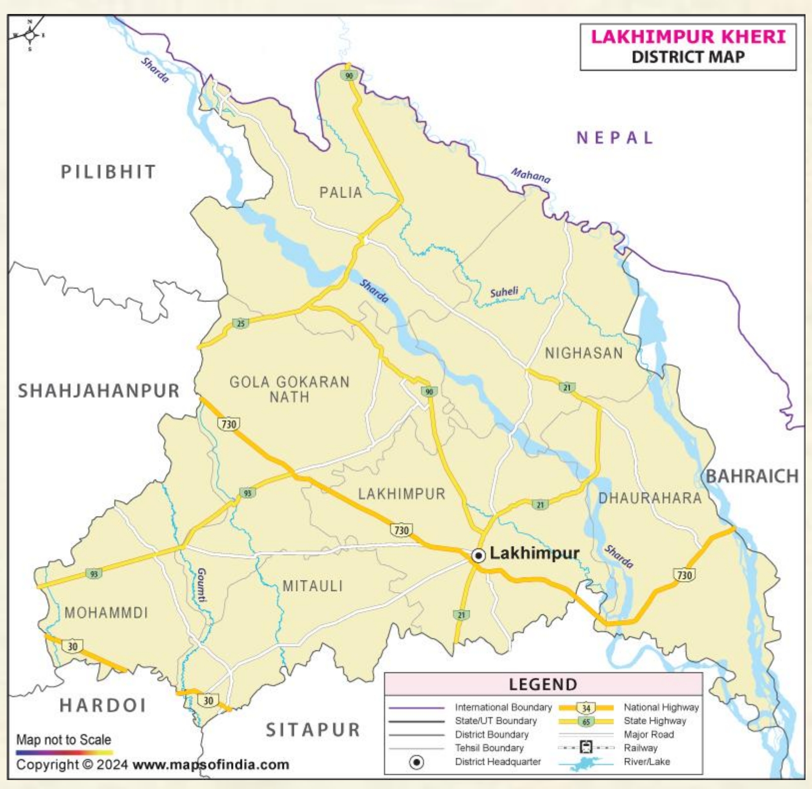

उन्नाव (Unnav)

- **इतिहास व व्यक्तित्व:** गंगा और सई नदी के मध्य स्थित उन्नाव जनपद प्राचीन काल में कोशल महाजनपद का हिस्सा था । यह देशभक्त राम राव बक्स सिंह, चंद्रिका बक्स सिंह, मौलाना हसरत मोहानी और विशंभर दयाल त्रिपाठी की मातृभूमि रहा है । चन्द्रशेखर आजाद मूल रूप से उन्नाव के निवासी थे, हालांकि उनका जन्म मध्य प्रदेश (अलीराजपुर) में हुआ था । प्रमुख साहित्यकारों में भगवती चरण वर्मा, शिव मंगल सिंह 'सुमन', सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (मूल निवासी), प्रताप नारायण मिश्र, जगदम्बा प्रसाद मिश्र 'हितैषी' और राम विलास शर्मा शामिल हैं ।

- **पर्यटन व धार्मिक स्थल:** राज राजेश्वरी श्री विद्या मंदिर, बांगरमऊ, बक्सर, बंथरा, सचानकोट, बदरका और परियर आदि प्रमुख हैं ।

- **उद्योग:** यह जनपद चमड़े, जरी-जरदोजी के काम, मच्छरदानी और रासायनिक उद्योगों के लिए प्रसिद्ध है। 'एक जिला एक उत्पाद' (ODOP) के तहत यहाँ मुख्य रूप से जरी-जरदोजी का कार्य किया जाता है ।

- **पार्क व पक्षी विहार:** यह जिला विशेष रूप से 'शहीद चन्द्रशेखर आजाद पक्षी अभ्यारण्य' (पुराना नाम- नवाबगंज पक्षी अभ्यारण्य), 'ट्रांस गंगा सिटी' और 'लेदर टेक्नोलॉजी पार्क' के लिए जाना जाता है । 1984 में स्थापित 'नवाबगंज पक्षी विहार' उत्तर प्रदेश का प्रथम पक्षी विहार है, जिसे अब रामसर आर्द्रभूमि स्थल घोषित किया गया है । राज्य सरकार आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के पास उन्नाव के करौराकला गाँव में उत्तर प्रदेश का 'पहला एक्सप्रेस-वे औद्योगिक पार्क' स्थापित कर रही है । यहाँ नवाबगंज झील और कुन्द्रा समुन्दर झील स्थित हैं ।

- **करंट अफेयर्स:** 9 अक्टूबर, 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने उन्नाव जनपद में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजा राव राम बख्श सिंह की अश्वारोही (घुड़सवार) प्रतिमा का अनावरण किया ।

2. कानपुर मण्डल (Kanpur Division)

- कानपुर संभाग का मुख्यालय 'कानपुर नगर' है और इसके अंतर्गत 6 जिले आते हैं: कानपुर नगर, कानपुर देहात, इटावा, फर्रुखाबाद, कन्नौज और औरैया ।
- पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती ने वर्ष 2000 में इलाहाबाद मंडल से अलग करके एक नए 'कानपुर मंडल' की स्थापना की थी ।

कानपुर नगर (Kanpur Nagar)

- **स्थापना व इतिहास:** गंगा नदी के दक्षिणी तट पर स्थित कानपुर नगर (मूल नाम: कान्हपुर) की स्थापना सचेंदी राज्य के शासक हिंदू सिंह ने की थी । कानपुर से 22 किमी. दूर बिठूर में महर्षि वाल्मीकि का आश्रम है, जहाँ माता सीता ने लव-कुश को जन्म दिया था ।
- **परिचय:** यह उत्तर प्रदेश की औद्योगिक राजधानी है, जिसे 'उत्तर भारत का मैनचेस्टर' और लेदर सिटी भी कहा जाता है ।
- **पर्यटन स्थल:** भीतरगाँव (गुप्तकालीन मंदिर अवशेष), जे.के. मंदिर (राधाकृष्ण मंदिर), नाना राव पार्क, ब्रह्मवर्त तीर्थ (बिठूर), जाजमऊ, मकनपुर, फूल बाग (गणेश उद्यान) और मूसानगर प्रमुख हैं ।
- **संस्थान:** नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट, सेंट्रल टेक्सटाइल्स इंस्टीट्यूट, केन्द्रीय चर्म अनुसंधान संस्थान (चेन्नई की इकाई), भारतीय चमड़ा रंगाई एवं जूता संस्थान, भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान और उत्तर प्रदेश वन अनुसंधान संस्थान ।
- **निगम व कंपनियाँ:** उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम, राज्य वस्त्र निगम, हथकरघा निगम, राज्य औद्योगिक विकास निगम, वित्त निगम, हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL), कृत्रिम अंग निर्माण लिमिटेड और मॉडर्न बेकरी ।
- **मेला व पत्रिकाएँ:** मकनपुर मेला (बिल्हौर) और बिठूर गंगा महोत्सव यहाँ के प्रमुख आयोजन हैं । यहाँ से नवोदित, विश्वमित्र, जयभारत (दैनिक) और राष्ट्रमत, नागरिक (साप्ताहिक) पत्रिकाएँ निकलती हैं ।
- **मंदिर व मकबरे:** ब्रह्मदेव मंदिर, श्री राधा कृष्ण मंदिर, जैन ग्लास मंदिर, सिद्ध देवी का मंदिर और ध्रुव टीला । यहाँ सूफी संत मखदूम शाह अलाउलहक का मकबरा भी है जिसे फिरोजशाह तुगलक ने बनवाया था ।
- **महत्वपूर्ण तथ्य:** यह प्रदेश का सर्वाधिक महिला साक्षरता (75.1%) वाला और सर्वाधिक नगरीय संकुलन वाला जिला है । उत्तर प्रदेश में मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज कानपुर में ही है । राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में देश का पहला चीनी का 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित किया जाएगा ।

कानपुर देहात (Kanpur Dehat)

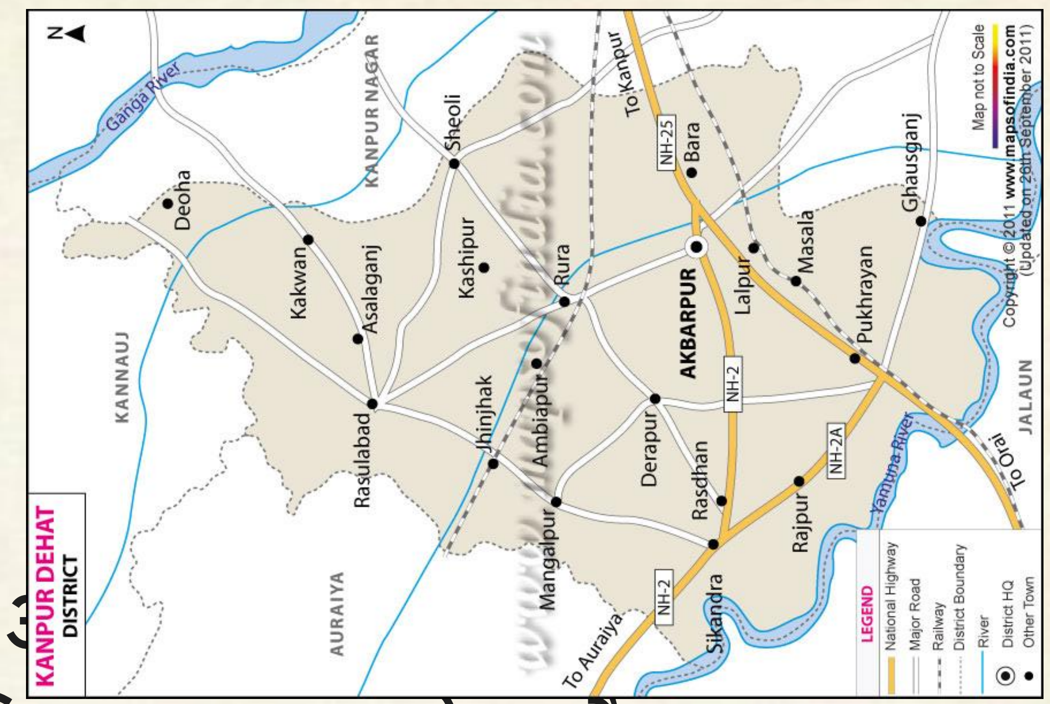

- **औद्योगिक इकाइयाँ:** सूती एवं ऊनी वस्त्र उद्योग, अ... उद्योग, रंग-रोगन एवं वार्निश, ऑटोमोबाइल, केमिकल, जूट उद्योग और पावरलूम प्रमुख हैं।

- **शैक्षणिक व चिकित्सा संस्थान:** छत्रपति शाहू जी महाराज वि.वि. (1965), चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि. (1975), हरकोर्ट बटलर प्राविधिक वि.वि. (2016), जे.के. कैंसर संस्थान (1955), लक्ष्मीपति सिंहानिया हृदय रोग संस्थान (1975), विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं उद्यमिता पार्क (1986), आईआईटी (IIT), डॉ. अम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर हैण्डीकैप्ड (1997), उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तर प्रदेश क्रिकेट अकादमी, जी.एस. विद्यार्थी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, और शोध विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान।

- **पार्क व सिटी:** साइबर सिटी, निकिडा सिटी (कानपुर व उन्नाव के बीच), ट्रोनिका सिटी, मेगा फूड पार्क, मेगा लेदर पार्क, टेक्सटाइल्स एवं होजरी पार्क, साफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क और सूचना-प्रौद्योगिकी पार्क।

- **स्थापना व नाम:** गंगा-यमुना के दोआब क्षेत्र में स्थित कानपुर देहात का गठन 23 अप्रैल, 1981 को हुआ और 11 अप्रैल, 1994 को इसका मुख्यालय 'अकबरपुर माती' बनाया गया। 1 जुलाई, 2010 को इसका नाम बदलकर 'रमाबाई नगर' किया गया था, लेकिन जुलाई 2012 में इसका नाम फिर से 'कानपुर देहात' कर दिया गया।

- **पर्यटन स्थल:** वन चेतना केन्द्र, शुक्ला तालाब, कात्यायनी देवी मंदिर, दुर्वासा ऋषि आश्रम, बूढ़ा बरगद और बानेश्वर महादेव।

- **अन्य तथ्य:** भारत के 14वें राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द का जन्म कानपुर देहात के परौख ग्राम में हुआ था। यहाँ कृषि विज्ञान केन्द्र और स्वायत्त मेडिकल कॉलेज भी हैं। राज्य सरकार 'प्लेज' (PLEDGE) योजना के तहत 7.22 करोड़ की लागत से यहाँ केमिकल व फर्टिलाइजर प्लेज पार्क और एक सोलर पार्क बना रही है।

इटावा (Etawah)

- **इतिहास व व्यक्तित्व:** यमुना और चम्बल नदियों के मध्य स्थित इटावा महाभारत काल में पांचाल प्रदेश का अंग था । 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' के संस्थापक ए.ओ. ह्यूम यहाँ के कलेक्टर थे। निबंधकार गुलाब राय, प्रथम मुस्लिम राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन और मुलायम सिंह यादव यहीं के मूल निवासी थे ।

- **पर्यटन स्थल:** सैफई, आसई किला, विक्टोरिया पार्क, राजा सुमेर सिंह फोर्ट, टिक्सी मंदिर, पंचनदा, मूँज, भरेह और चक्र नगर ।

- **संगीत घराना:** इटावा घराने के उस्ताद इनायत खाँ के गौरीपुर रियासत (बंगाल) में बसने के कारण इसे 'गौरीपुर घराना' भी कहा जाता है, इमदाद खाँ इसके लोकप्रिय कलाकार थे ।

- **संस्थान व स्टेडियम:** उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (सैफई 2016), एयर पोर्ट-फ्लाइंग स्कूल (सैफई), मास्टर चंदगी राम स्पोर्ट्स स्टेडियम और मेजर ध्यान चंद्र पुरुष स्पोर्ट कॉलेज ।

- **उद्योग व नदियाँ:** 'एक जिला एक उत्पाद' के तहत यहाँ कपड़े का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है । इटावा में सेहोन गांव के पास चंबल नदी यमुना में मिलती है । इटावा-जालौन सीमा पर स्थित 'पंचनदा' (भारेह में) दुनिया का एकमात्र स्थान है जहाँ पाँच नदियां (यमुना, चंबल, क्वारी, सिंध और पहुज) मिलती हैं । यह उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक अवनालिका अपरदन वाला जिला है ।

- **वन्यजीव व सफारी:** लोहिया पर्यावरणीय उद्यान, राष्ट्रीय चंबल वन्य जीव विहार, वन्य जीव प्रशिक्षण केन्द्र (निर्माणाधीन), सूर सरोवर-पक्षी विहार और लायन सफारी पार्क यहाँ हैं । यहाँ एशियाई बब्बर शेरों का पहला प्रजनन केन्द्र और मल्टिपल सफारी पार्क स्थापित किया गया है ।

- **मेले व करंट अफेयर्स:** कार्तिक पशु मेला और सैफई महोत्सव (जनवरी) यहाँ आयोजित होते हैं । 2 नवंबर, 2023 को इटावा में 'भेड़-बकरी पालन प्रशिक्षण केन्द्र' का लोकार्पण हुआ था ।

फरुर्खाबाद (Farrukhabad)

- **इतिहास व स्थापना:** गंगा एवं रामगंगा नदी के तट पर स्थित इस जिले की स्थापना 1714 ई. में नवाब मोहम्मद खान बंगस ने मुगल सम्राट फरुर्खशियर के नाम पर की थी । महाभारत काल में काम्पिल (फरुर्खाबाद) दक्षिण पांचाल की राजधानी थी जहाँ द्रौपदी का स्वयंवर हुआ था । यह जैन धर्म के 13वें तीर्थंकर विमलनाथ की जन्म स्थली भी है। इस जिले का मुख्यालय फतेहगढ़ है ।

- **पर्यटन व तीर्थ:** काम्पिल (जैन धर्म से संबंधित), संकिसा (बौद्ध धर्म), श्रृंगीरामपुर, नीमकरोरी, कपिल मुनि आश्रम, श्रृंगी ऋषि मंदिर, श्वेतांबर व दिगम्बर मंदिर, रामेश्वर धाम मंदिर, भेद कुंड और मुगल घाट ।

- **उत्सव व मेले:** मकनपुर मेला, रामनगरिया मेला, श्रृंगीरामपुर मेला, श्रावणी मेला और काम्पिल पर्यटनोत्सव ।

- **उद्योग व निर्यात:** यह मुख्य रूप से पीतल और लकड़ी से बनी डाइयों और ब्लॉक प्रिंटिंग के लिए प्रसिद्ध है । यहाँ की प्रमुख निर्यातक वस्तुएं जरदोजी काम, ऊन एवं रेशम पर हाथ छपाई, तर्कशी और लकड़ी के टुकड़े हैं । तम्बाकू उद्योग, कपड़ों की छपाई और जूट उद्योग भी प्रमुख हैं ।

- **संस्थान:** राजकीय पुरातत्व संग्रहालय और मेजर एस.डी. सिंह विश्वविद्यालय यहाँ स्थित हैं ।

JEET RANA

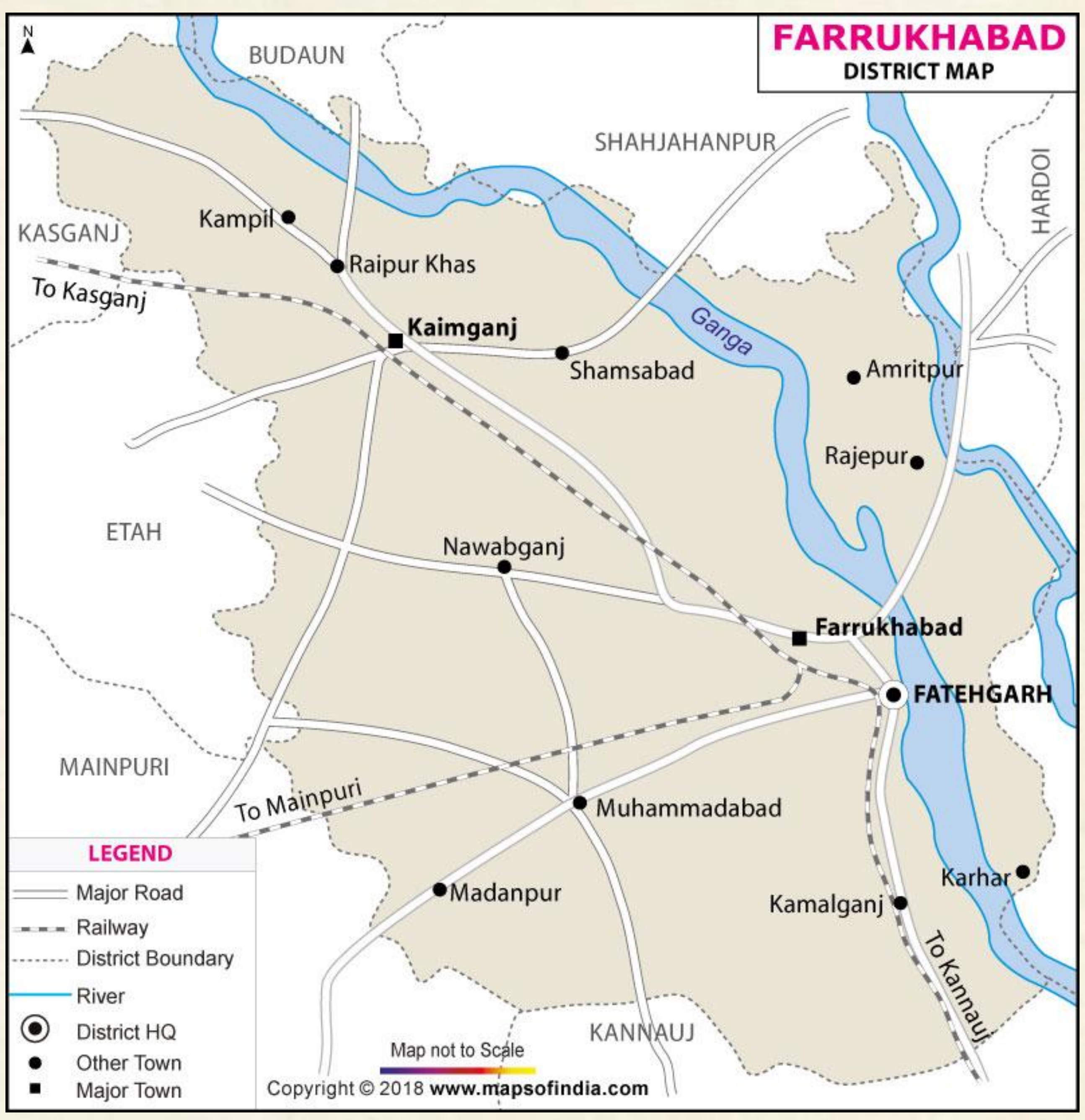

TELEGRAM : JEET RANA GS YOUTUBE : JEET RANA GS INSTA : jeetrana.77

कन्नौज (Kannauj)

- **परिचय:** गंगा के पावन तट पर स्थित 'इत्र नगरी' कन्नौज का प्राचीन (पौराणिक) नाम 'कान्यकुब्ज' था, जो पांचाल महाजनपद का हिस्सा था।

- **इतिहास:** यह पांचाल महाजनपद का भाग था। पुष्यभूति वंश के शासक हर्षवर्धन (606-647 ई.) ने कन्नौज को अपनी राजधानी बनाया था। उस समय इसे 'महोदय श्री' नगर के रूप में भी जाना जाता था।

- 1194 ई. में मुहम्मद गोरी ने 'चन्दावर के युद्ध' में कन्नौज के शासक जयचन्द्र को पराजित किया था।

- **गठन:** यह जिला 18 सितम्बर, 1997 को फर्रुखाबाद जनपद के पूर्वी भाग को अलग कर बनाया गया।

औरैया (Auraiya)

- **गठन:** 17 सितंबर, 1997 को इटावा जनपद के औरैया एवं बिधूना तहसीलों को अलग कर एक नए जनपद 'औरैया' की स्थापना की गई ।

- **भौगोलिक स्थिति व पर्यटन:** यमुना नदी के तट पर स्थित इस जनपद के प्रमुख पर्यटन स्थल देवकली मंदिर, गुरैया मंदिर और बड़ी देवी मंदिर इत्यादि हैं । बंजारा नृत्य इस जिले का मुख्य नृत्य है ।

- **एक जिला एक उत्पाद (ODOP):** इस योजना के अंतर्गत औरैया के विशिष्ट उत्पाद में दुग्ध प्रसंस्करण (देशी घी) अत्यंत प्रचलित है ।

- **प्रमुख संस्थान:** रेशम अनुसंधान एवं विकास केन्द्र और प्लास्टिक सिटी/पार्क-दिबियापुर (प्रस्तावित) ।

- **विशेष तथ्य:**
    - औरैया जनपद के दिबियापुर NTPC में उत्तर प्रदेश का पहला तैरता हुआ सोलर संयंत्र स्थापित किया गया है ।

    - औरैया उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक ग्रामीण साक्षरता दर वाला जनपद है ।

JEET RANA

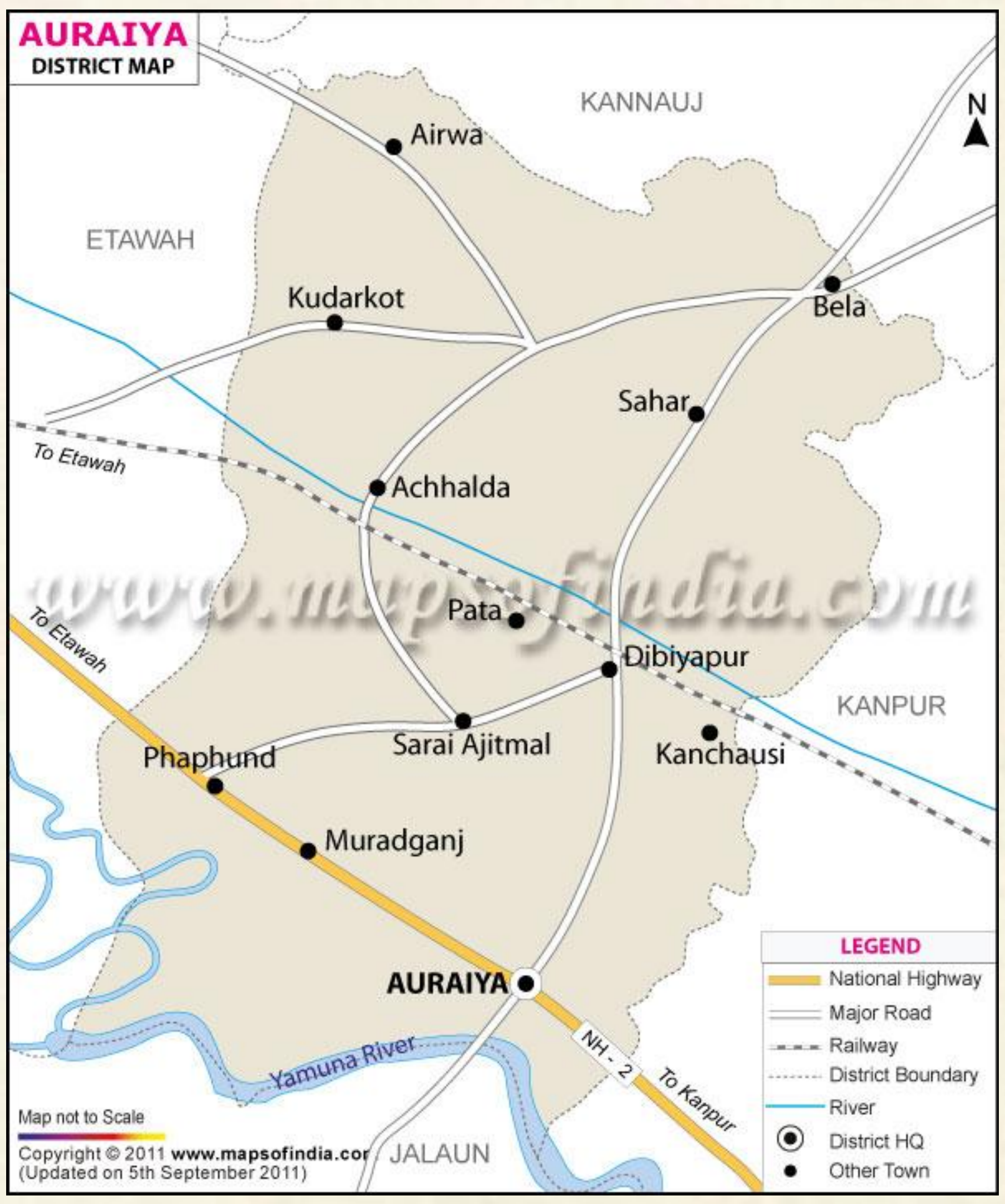

3. मेरठ मंडल (Meerut Division)

- मेरठ मंडल पश्चिमी उत्तर प्रदेश में स्थित एक प्रशासनिक व कर (Tax) मंडल है, जिसका मुख्यालय मेरठ है ।

- इस मंडल के अंतर्गत 6 जिले शामिल हैं: मेरठ, गाजियाबाद, बुलंदशहर, गौतमबुद्ध नगर, बागपत और हापुड़ ।

- ध्यान दें कि उक्त सभी 6 जिले 'राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र' (NCR) के अंतर्गत आते हैं ।

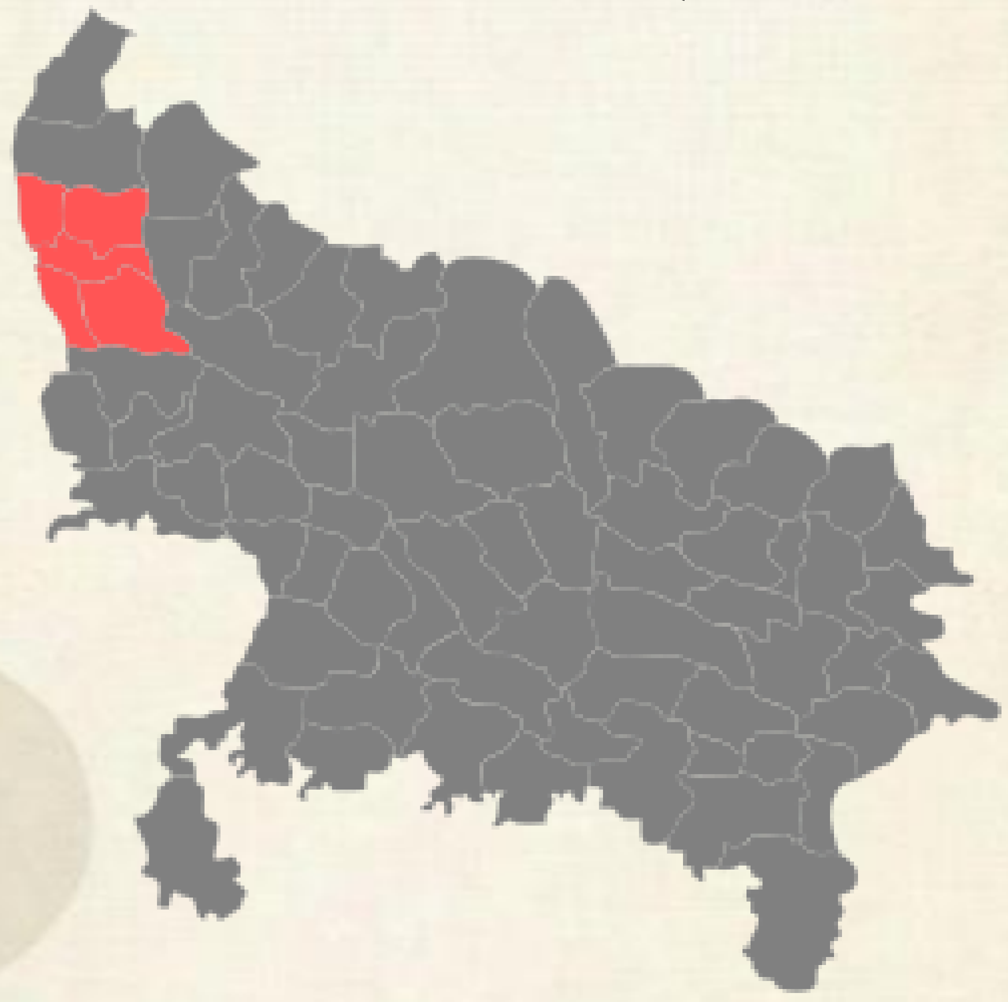

मेरठ (Meerut)

- इतिहास: गंगा एवं यमुना नदियों के मध्य स्थित 'क्रांति नगरी' मेरठ महाभारत काल में कौरवों एवं पांडवों की राजधानी (हस्तिनापुर) थी । प्राचीन काल में यह कुरु महाजनपद का भाग था ।

- जैन धर्म के 16वें, 17वें व 18वें तीर्थंकरों (शांतिनाथ, कुन्थुनाथ व अरहनाथ) का जन्म एवं दीक्षा इसी जनपद में हुई थी ।

- सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे पूर्वी स्थल 'आलमगीरपुर' भी इसी जनपद में स्थित है ।

- उल्लेखनीय है कि 10 मई, 1857 को अंग्रेजी शासन के विरुद्ध प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत भी यहीं से हुई थी ।

- अन्य नाम: विशाल खेल उद्योग के कारण मेरठ को 'भारत का खेल नगर' एवं 'कैंची नगर' भी कहा जाता है ।

- **पर्यटन स्थल:** बेगम समरू द्वारा निर्मित प्रसिद्ध चर्च (सरधना), दानवीर कर्ण मंदिर, पांडेश्वर मंदिर, जंबू द्वीप, सुमेरू पर्वत, अष्टपद तीर्थ (हस्तिनापुर), गोपेश्वर मंदिर व गांधारी तालाब (परीक्षित गढ़), शहीद स्मारक, शाहपीर का मकबरा, स्वतंत्रता संघर्ष म्यूजियम एवं राम ताल।

- **औद्योगिक इकाइयाँ:** हथकरघा व सूती वस्त्र, कैंची उद्योग, खेल का सामान, दियासलाई एवं कागज उद्योग। प्रमुख औद्योगिक इकाइयाँ हैं: अभियांत्रिकी उत्पाद, फार्मास्यूटिकल उद्योग, ऑटोमोबाइल पिस्टन एवं रिंग उद्योग, होम फर्निशिंग उद्योग, ऑटोमोटिव फैब्रिक उद्योग, स्पिरिट व शराब उद्योग एवं स्टील आधारित उद्योग।

- **प्रमुख शैक्षणिक संस्थान:** चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (1965), सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (2000), शोभित अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (डीम्ड विश्वविद्यालय- 2006), आई.आई.एम.टी. (निजी) विश्वविद्यालय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेजर ध्यानचंद्र खेल विश्वविद्यालय (निर्माणाधीन), महावीर विश्वविद्यालय (2023), और विद्या विश्वविद्यालय (प्रस्तावित)।

- **प्रमुख संस्थान/पार्क/सिटी:** राजकीय स्वतंत्रता संग्रहालय (1996), वेस्टर्न यू.पी. चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज (1945), आर.ए.एफ. एकेडमी फॉर पब्लिक आर्डर, चौधरी चरण सिंह बाढ़ शोध केन्द्र (निर्माणाधीन), राजकीय सूचना प्रौद्योगिकी पार्क, साफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (निर्माणाधीन), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कृत्रिम रबड़ कारखाना, एयरोस्पेस पार्क, और प्लेज पार्क (प्रस्तावित)।

- **अन्य संस्थान:** सेन्ट्रल पोटैटो रिसर्च स्टेशन, फ्लाइंग स्कूल, नेल्को व स्टैग इंटरनेशनल कंपनी (खेल उपकरण निर्माता), भारतीय स्टील रोलिंग मील व ट्रान्सफार्मर कारखाना तथा सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च ऑन कैटल।

- **प्रमुख मेला:** नौचंदी मेला एवं सरधना महोत्सव।

- **अन्य तथ्य:**
  - मेरठ में 'डॉ बी. आर. अम्बेडकर हवाई अड्डा' स्थित है।
  - इस जनपद की प्रमुख मासिक पत्र-पत्रिकाएँ 'बहुरंगी' एवं 'मार्तण्ड' हैं।
  - मुख्यमंत्री हरित सड़क अवसंरचना विकास योजना (CM-GRIDS) के अंतर्गत लगभग 40 करोड़ की लागत से प्रदेश की पहली एकीकृत ग्रीन सिटी रोड मेरठ में निर्मित की जा रही है, जिसे वर्ष 2026 तक पूर्ण होने का अनुमान है।

गाजियाबाद (Ghaziabad)

- **गठन व स्थिति:** यमुना की सहायक हिंडन नदी के तट पर स्थित गाजियाबाद जनपद की स्थापना 14 नवंबर, 1976 को तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री एन.डी. तिवारी ने मेरठ जनपद से अलग कर की थी।

- उद्योग नगरी गाजियाबाद की सीमाएँ राजधानी दिल्ली से सटी होने के कारण इसे दिल्ली का 'अनुषंगी नगर' और 'उत्तर प्रदेश का गेटवे' कहा जाता है।

- **पर्यटन स्थल:** मोदी नगर, केशरी का टीला, मुराद नगर, महामाया मंदिर, दूधेश्वर नाथ मंदिर एवं मोहन नगर मंदिर।

- **प्रमुख संस्थान:** क्लॉथ रिसर्च इंस्टीट्यूट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, जैव उर्वरक अनुसंधान केन्द्र, कृत्रिम रबड़ कारखाना (मोदी नगर)।

- **पार्क/सिटी:** ट्रांस-दिल्ली सिग्नेचर सिटी, ट्रोनिका सिटी, एपैरेल (परिधान) पार्क, वेव सिटी, कैलास मानसरोवर भवन, और हज हाउस।

- **प्रमुख शैक्षणिक संस्थान:** संतोष विश्वविद्यालय (डीम्ड), एसडीजीआई ग्लोबल विश्वविद्यालय एवं एचआरआईटी विश्वविद्यालय (निजी)।

- **अन्य संस्थान:** नॉदर्न इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोशिएसन, खाद्य अनुसंधान एवं मानकीकरण प्रयोगशाला, आल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ यूनानी मेडिसिन (देश में प्रथम)।

- **विशेष तथ्य व करंट अफेयर्स:**
  - उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में देश का पहला 'पुलिस संग्रहालय' स्थापित किया गया है।

  - देश का पहला राजनीतिक प्रशिक्षण केन्द्र (निर्वाचित प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण हेतु) एवं राज्य का पहला साइंस पार्क 'गाजियाबाद' जनपद में स्थापित किया गया है।

  - 20 अक्टूबर, 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गाजियाबाद स्थित साहिबाबाद रैपिडएक्स स्टेशन पर भारत की पहली रैपिड रेल सेवा 'नमो भारत ट्रेन' राष्ट्र को समर्पित की।

  - 10 मार्च, 2024 को गाजियाबाद में देश के चौथे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का लोकार्पण किया गया, जो दर्शक क्षमता (55,000) के हिसाब से उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा स्टेडियम है।

  - गाजियाबाद उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक जनघनत्व वाला, सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाला एवं सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या प्रतिशत वाला जनपद है।

  - मतदाताओं की संख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा संसदीय क्षेत्र गाजियाबाद है, जबकि उ.प्र. का सबसे बड़ा विधानसभा क्षेत्र (मतदाताओं की दृष्टि से) 'साहिबाबाद' (गाजियाबाद) है।

बुलंदशहर (Bulandshahar)

- **इतिहास व स्थिति:** गंगा और यमुना नदियों के मध्य स्थित बुलंदशहर की स्थापना राजा अहिबरन ने की थी। प्राचीनकाल में यह कुरु महाजनपद का एक भाग था।

- **पर्यटन स्थल:** देवी अवंतिका मंदिर, अनूप शहर (छोटी काशी), कर्णवास, बरन, अहार, नरौरा (परमाणु केन्द्र), काला आम व मामागढ़।

- **औद्योगिक केन्द्र:** जहाँगीराबाद (सूती कपड़े के कारखाने), खुर्जा (चीनी मिट्टी के बर्तन), शिकारपुर (लकड़ी का काम), सिकंदराबाद (कोल्ड स्टोरेज पाइप फैक्ट्री), चोला (पोलियो वैक्सीन फैक्ट्री)।

- खुर्जा का 'पॉटरी उत्पाद' विश्व विख्... खुर्जा (बुलंदशहर) से मिट्टी के बर्तन ... के पात्र, स्नानागार की उपयोगी वस्तुएं इत्यादि निर्मित की जाती हैं।

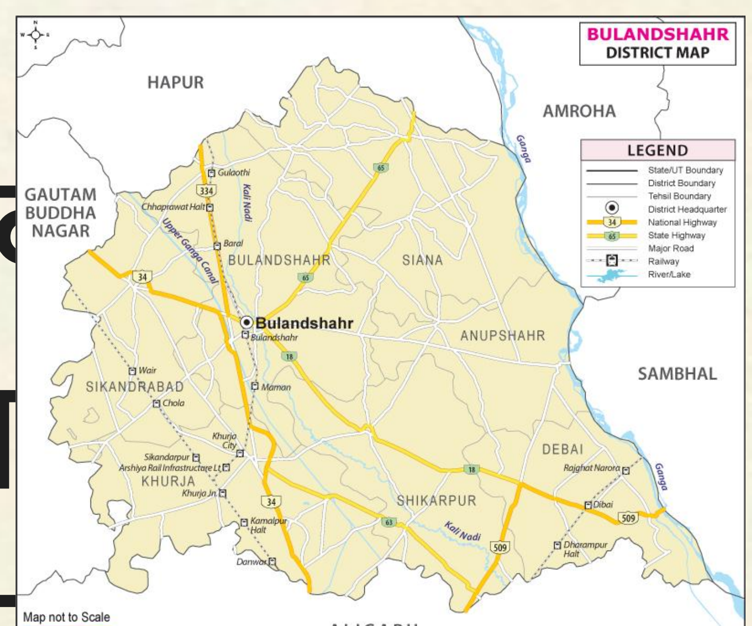

गौतमबुद्ध नगर (Gautam Buddha Nagar)

- **गठन व स्थिति:** 6 सितम्बर, 1997 को गाजियाबाद के दादरी एवं विसरख ब्लाक तथा बुलंदशहर के दनकौर और जेवर ब्लाक को मिलाकर एक नए जनपद 'गौतम बुद्ध नगर' की स्थापना की गई ।

- यह मुख्य रूप से गंगा और यमुना नदी के दोआब क्षेत्र में स्थित है । इस जनपद का मुख्यालय ग्रेटर नोएडा है ।

- नोएडा के पास हिंडन नदी यमुना में मिलती है ।

- **NOIDA व Greater NOIDA:** नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा विश्वस्तरीय औद्योगिक केन्द्र हैं, जहाँ बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर उद्योग स्थापित किए गए हैं । 17 अप्रैल, 1976 को स्थापित NOIDA (नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण) योजनाबद्ध ढंग से निर्मित उत्तर प्रदेश का पहला शहर है ।

- उद्योग व निर्यात: प्रमुख औद्योगिक इकाइयों में ऑटोमोबाइल उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक उद्योग, पैकेजिंग उपकरण सामग्री, पेट्रोकेमिकल एवं टेक्सटाइल शामिल हैं। निर्यातित वस्तुओं में कम्प्यूटर हार्डवेयर, इलेक्ट्रॉनिक्स, अभियांत्रिकी, परिधान, रासायनिक वस्तुएँ एवं ऑटोमोबाइल्स शामिल हैं।

- उत्तर प्रदेश में सॉफ्टवेयर तथा बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग उद्योग का सबसे बड़ा केन्द्र नोएडा में स्थित है।

- विशेष तथ्य व करंट अफेयर्स:
  - उत्तर प्रदेश सरकार रोजगार सृजन एवं तीव्र औद्योगीकरण हेतु 'ग्रेटर नोएड
    पहला आँकड़ा केन्द्र (Data C
    स्थापित कर रही है।

  - 25 जून, 2023 को मुख्यमंत्री
    आदित्यनाथ ने 'ग्रेटर नोएडा' मे
    टेक्नोलॉजीस के रोबोटिक विनिर्माण संयंत्र

बागपत (Baghpat)

- **गठन व स्थिति:** यमुना नदी के पूर्वी तट पर अवस्थित बागपत (पांडव बंधुओं द्वारा स्थापित 'ब्याघ्रप्रस्थ') का गठन 5 सितंबर, 1997 को मेरठ जनपद के कुछ हिस्सों को अलग कर किया गया था ।

- **पर्यटन स्थल:** कृषि समृद्ध इस जनपद के प्रमुख पर्यटन स्थल- पुरा महादेव, त्रिलोक तीर्थ धाम, वरनावा लाक्षागृह, वालैनी, बड़ा गाँव, आई.ए.एफ चाँदी नगर एवं काली सिंह बाबा मंदिर इत्यादि हैं ।

- **एक जिला एक उत्पाद (ODOP):** इस योजना के अंतर्गत बागपत के विशिष्ट उत्पादों में 'घरेलू सजावटी सामान' अत्यंत महत्वपूर्ण है । इन उत्पादों में कालीन, चादर, तकिया कवर, परदा, मेजपोश एवं डोर मैट प्रमुख हैं ।

- **जनसांख्यिकीय तथ्य:** बागपत उत्तर प्रदेश का न्यूनतम शिशु लिंगानुपात वाला (841), न्यूनतम अनुसूचित जाति (SC) आबादी वाला, न्यूनतम एस.सी. प्रतिशत आबादी वाला, न्यूनतम अनुसूचित जनजाति आबादी वाला एवं न्यूनतम अनुसूचित जनजाति प्रतिशत वाला जनपद है ।

- **करंट अफेयर्स:** प्रदेश मंत्रिमंडल ने 4 नवंबर, 2024 को बागपत जिले में 'अंतर्राष्ट्रीय योग एवं आरोग्य केन्द्र' की स्थापना करने का निर्णय लिया है ।

JEET RANA

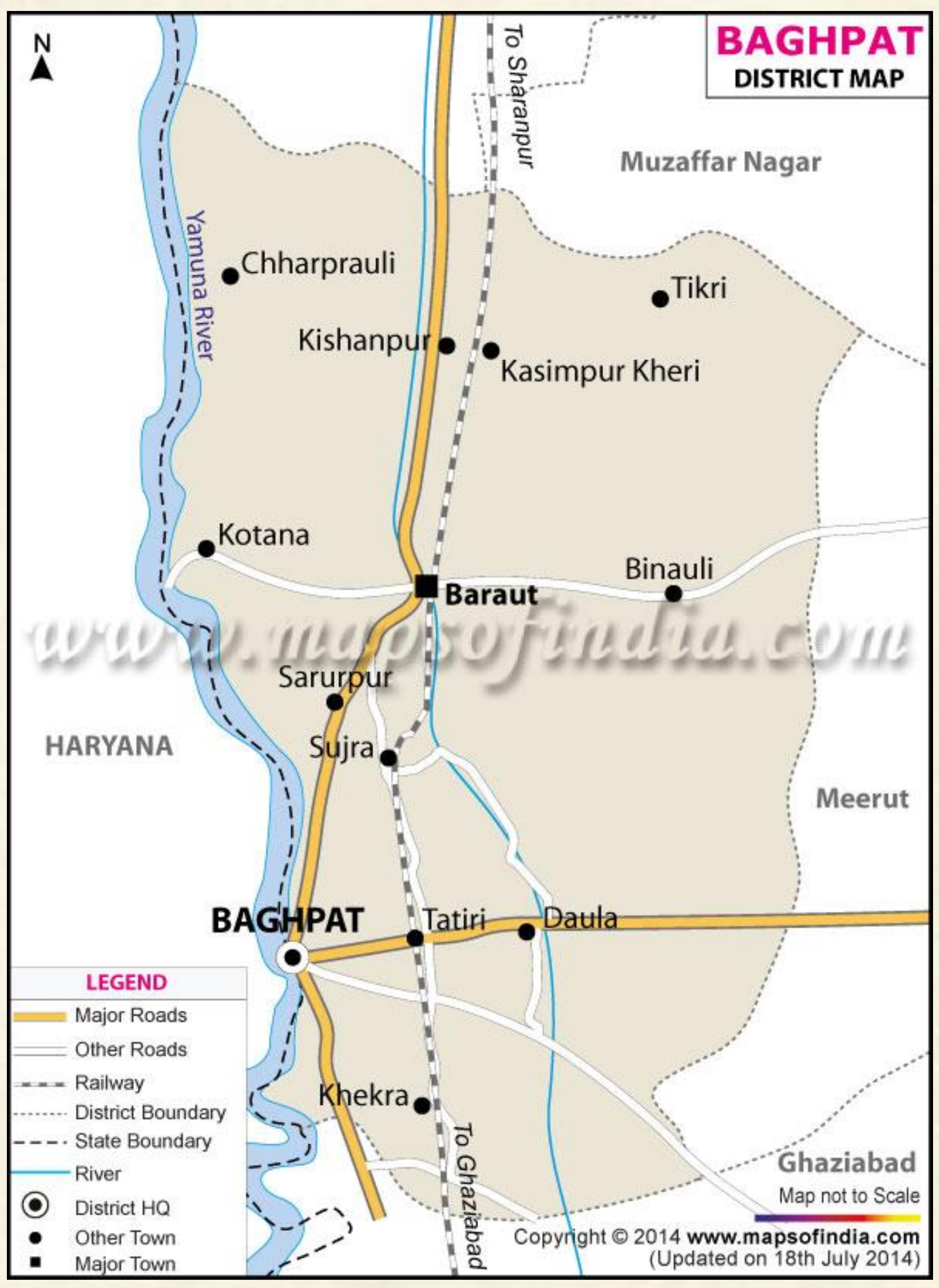

हापुड़ (Hapur)

- **गठन व नाम:** गंगा नदी के तट पर स्थित हापुड़ जिले का सृजन 28 सितंबर, 2011 को तत्कालीन मुख्यमंत्री सुश्री मायावती ने 'पंचशील नगर' के रूप में किया था। जुलाई, 2012 में मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इसका नाम बदलकर पुनः हापुड़ कर दिया।

- **पर्यटन स्थल:** बृज घाट, गढ़मुक्तेश्वर (गंगा नदी के तट पर), माँ वैष्णो देवी मंदिर, राम मनोहर लोहिया पार्क, झारखण्डेश्वर मंदिर एवं लवणासुर का किला।

- **प्रमुख संस्थान:** इंडियन ग्रेन स्टोरेज मैनेजमेंट एण्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट, वर्गीकृत (पशु) वीर्य उत्पादन केन्द्र, आलू अनुसंधान केन्द्र बाबूगढ़, अति-हिमीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र बाबूगढ़ और एग्रो पार्क।

- **अन्य तथ्य:**
  - केन्द्र सरकार ने हापुड़ जनपद के पिलखुआ (खादी वस्त्र उत्पादन केन्द्र) को सेटेलाइट टाउन के रूप में चयनित किया है।
  - यह जनपद स्टेनलेस स्टील पाइप, ट्यूब, पापड़ इत्यादि का प्रमुख केन्द्र है।
  - हापुड़ जनपद (क्षेत्रफल 660 वर्ग किमी.) क्षेत्रफल में उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक छोटा जनपद है।
  - हापुड़ जिले में उत्तर प्रदेश का निजी वि.वि. "मोनाड विश्वविद्यालय" (2010) स्थित है।

4. अयोध्या मण्डल (Ayodhya Division)

- अयोध्या मंडल उत्तर प्रदेश राज्य की एक प्रशासनिक भौगोलिक इकाई है, जिसका मुख्यालय अयोध्या है ।

- इस मंडल के अन्तर्गत कुल 5 जिले सम्मिलित हैं: अयोध्या, सुल्तानपुर, बाराबंकी, अमेठी एवं अम्बेडकर नगर ।

- पूर्व में इस मंडल का नाम फैजाबाद मंडल था, जिसे योगी आदित्यनाथ की सरकार ने नवंबर, 2018 को बदलकर 'अयोध्या मंडल' कर दिया ।

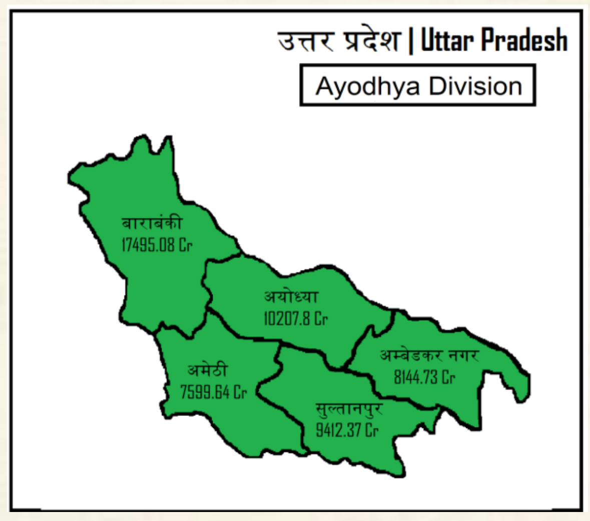

अयोध्या (Ayodhya)

- **इतिहास व महत्व:** सरयू नदी के दाहिने तट पर स्थित, भगवान श्री रामचंद्र जी की नगरी अयोध्या का प्राचीन नाम 'अयाज्सा' था, जो भारत की सप्तपुरियों में से एक है । महाजनपद काल में यह (साकेत) कोशल जनपद के दक्षिणी भाग की राजधानी थी ।

- यह जैन धर्म के पहले, दूसरे, चौथे, पांचवें एवं 14वें तीर्थंकरों (क्रमशः आदिनाथ/ऋषभदेव, अजितनाथ, अभिनंदननाथ, सुमितनाथ एवं अनन्तनाथ) की जन्म स्थली भी है ।

- 18वीं शताब्दी में अवध के पहले नवाब सआदत अली खान ने इस स्थान पर 'फैजाबाद' शहर की स्थापना की थी । उसके पौत्र शुजाउद-दौला ने फैजाबाद को अवध की राजधानी बनाया । नवंबर, 2018 में फैजाबाद का नाम परिवर्तित कर अयोध्या कर दिया गया ।

- **अन्य नाम:** भू-बैकुण्ठ, साकेत धाम, अवध ।
- **पर्यटन स्थल:** कनक भवन, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, भरतकुण्ड (नंदी ग्राम), हनुमानगढ़ी, सीताकुण्ड, मणिपर्वत, बहुबेगम का मकबरा, गुलाबबाड़ी, वाल्मीकि रामायण भवन, राम की पैड़ी (सरयू नदी के तट पर), गुप्तार घाट एवं रामकथा संग्रहालय ।

- **समाचार पत्र:** अयोध्या से निकलने वाला प्रमुख समाचार पत्र 'जनमोर्चा' (2014) है ।

- **प्रमुख मेले:** चैत रामनवमी मेला, परिक्रमा मेला (कार्तिक मास), दीपोत्सव मेला (राजकीय) एवं झूला मेला (श्रावण में) ।

- **संस्थान व विश्वविद्यालय:** अंतर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान (1986), अंतर्राष्ट्रीय रामलीला केन्द्र, अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी (1988), रामायण म्यूजियम (निर्माणाधीन), क्वीन हो मेमोरियल पार्क (निर्माणाधीन), राज्य विद्यालय क्रीड़ा संस्थान, साइबर थाना, अयोध्या स्मार्ट सिटी (विकासाधीन), राजर्षि दशरथ मेडिकल कालेज, डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्व वि. (1975) एवं आचार्य नरेन्द्र देव कृषि प्रौद्योगिकी वि.वि. (1974) ।

- **उद्योग व ODOP:** अयोध्या जनपद में गुड़ एवं चीनी उद्योग तथा डेयरी प्लांट की स्थापना की गई है । 'एक जिला एक उत्पाद' (ODOP) योजना के अन्तर्गत प्रमुख चिन्हित उत्पाद 'गुड़' है ।

- **अन्य तथ्य व करंट अफेयर्स:**
  - दिसम्बर, 2023 में अयोध्या के सरयू नदी के तट पर 'जटायू क्रूज सेवा' प्रारंभ की गई ।
  - 30 दिसंबर, 2023 को प्रधानमंत्री ने पुनर्विकसित 'अयोध्या धाम जंक्शन' एवं महर्षि वाल्मीकि अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया । इसी दिन अयोध्या धाम जंक्शन-आनंद विहार वंदेभारत ट्रेन एवं देश की पहली अमृत भारत ट्रेन (अयोध्या-सीतामढ़ी) की भी शुरूआत की गई ।
  - प्रदेश सरकार ने 'श्री अयोध्याजी तीर्थ विकास परिषद' का गठन किया है, जिसका मुख्यालय 'अयोध्या' है ।
  - दिसम्बर, 2023 को आवास विकास परिषद ने पौराणिक गरिमा से युक्त 'नव्य अयोध्या' उपनगर को विकसित करने का कार्य प्रारंभ कर दिया है ।
  - सरयू नदी के तट पर भगवान श्री राम की विश्व में सबसे ऊँची प्रतिमा (251 मी.) स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया है ।
  - उत्तर प्रदेश में अयोध्या एवं जालौन जिले अनुसूचित जनजाति से रहित (बिना ST आबादी वाले) हैं ।

सुल्तानपुर (Sultanpur)

- **इतिहास व स्थिति:** गोमती नदी के तट पर स्थित इस शहर की स्थापना पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान श्रीराम के पुत्र कुश ने की थी, जिसके कारण इसे 'कुशभवनपुर' के नाम से भी जाना जाता था ।
- **पर्यटन स्थल:** विक्टोरिया मंजिल, चिमनलाल पार्क, बादशाही मस्जिद, पारिजात वृक्ष, बिजेथुआ महावीरन मंदिर (कोइरीपुर), सीताकुंड घाट एवं मां भवानी मंदिर (लोहरा मऊ) ।
- **प्रमुख संस्थान:** कमला नेहरू कृषि विज्ञान केन्द्र, कमला नेहरू प्रौद्योगिकी संस्थान, कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान (1973), गन्ना बीज संवर्द्धन प्रक्षेत्र, जनपदीय संग्रहालय (1989), और विनायक मेहता पुस्तकालय ।
- **प्रमुख व्यक्तित्व:** उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्रीपति मिश्र, सुप्रसिद्ध गीतकार मजरूह सुल्तानपुरी एवं उर्दू कवि अजमल सुल्तानपुरी की यह जन्मस्थली है ।
- **झील/ताल:** राजा का बांध ।

बाराबंकी (Barabanki)

- **इतिहास व नाम:** घाघरा नदी के तट पर स्थित एवं 'पूर्वांचल के प्रवेश द्वार' से चर्चित इस पवित्र भूमि को भगवान 'वराह' के पुनर्जन्म के कारण 'बान्हन्या' (वर्तमान में बाराबंकी) के नाम से जाना जाता था ।
- 1858 ई. के पूर्व तक दरियाबाद के नाम से जाना जाता था ।
- इसी स्थान पर प्रसिद्ध सूफी संत हाजी वारिस अली शाह का जन्म हुआ था ।
- **प्रमुख पर्यटन स्थल:** कोटवा धाम, लोधेश्वर महादेव ।

- **पर्यटन स्थल:** कुन्तेश्वर महादेव, नागेश्वर मंदिर, मझगांव शरीफ, सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की मजार, संत सलामत शाह की दरगाह एवं सूफी संत सैय्यद शाह अब्दुल रज्जाक की दरगाह ।

- **मेला:** देवा शरीफ मेला (कार्तिक मास में आयोजित) ।
- **उद्योग व ODOP:** यहाँ मुख्य रूप से मेंथा तेल उद्योग, चिकन जरी और जरदोजी उद्योग की इकाइयां स्थापित हैं । 'एक जिला, एक उत्पाद' (ODOP) योजना के तहत यहाँ का विशिष्ट उत्पाद 'हथकरघा वस्त्र उत्पाद' है ।
- **औद्योगिक संस्थान व पार्क:** उक्त जनपद में 'इंडिया पॉली फाइबर्स लिमिटेड (1987) एवं एग्रो पार्क की स्थापना की गयी है । इसके अतिरिक्त डी. एस. एम. शुगर, हैली इण्डस्ट्रीज प्रा.लि., भारत रबड़ इण्डस्ट्रीज, जे. आर. एग्रो इण्डस्ट्रीज लि. और उत्तर प्रदेश का पहला 'सौर ऊर्जा संयंत्र' यहाँ स्थापित है ।
- **शैक्षणिक संस्थान:** इस जिले में श्री राम स्वरूप मेमोरियल (निजी) विश्वविद्यालय (2012) भी स्थित है ।

अमेठी (Amethi)

- **गठन व नाम:** जनपद अमेठी का गठन 1 जुलाई, 2010 को 'छत्रपति शाहू जी महाराज नगर' के नाम से किया गया था, जिसका मुख्यालय गौरीगंज है । 24 जुलाई, 2012 को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इसका नाम बदलकर पुनः 'अमेठी' कर दिया ।

- **प्रशासनिक विभाजन:** इस जनपद में एक नगर-पालिका 'जायस' तथा दो नगर पंचायत क्रमशः अमेठी व मुसाफिर-खाना हैं ।

- **पर्यटन स्थल:** कालिकन धाम, सूफी संत मलिक मुहम्मद जायसी (पद्मावत के रचयिता) की मजार, टीकरमाफी आश्रम, नन्दमहर मंदिर, दुर्गन भवानी एवं कादू नाला अवस्थित हैं ।

- **औद्योगिक संस्थान:** ए.सी.सी. सीमेंट फैक्ट्री, हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (मुंशीगंज), भारत हैवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड (कमरौली), इण्डोगल्फ फर्टिलाइजर फैक्ट्री और कोरवा आयुध कारखाना (AK 203 राइफल निर्माणशाला) यहाँ स्थित हैं ।

- **प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक संस्थान:** केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल भर्ती एवं प्रशिक्षण संस्थान (त्रिसुण्डी), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान एकेडमी (फुरसतगंज), राजीव गाँधी पेट्रोलियम अनुसंधान संस्थान (जायस), राजीव गांधी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (प्रदेश का दूसरा), राजीव गांधी राष्ट्रीय विमानन वि.वि. (2017) और सेन्ट्रल इंडस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (जगदीशपुर) ।

- **खेल व परिवहन:** इस जनपद में 'डॉ भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम' एवं 'फुरसतगंज हवाई अड्डा' स्थित है ।

- **करंट अफेयर्स:** 30 अक्टूबर, 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमेठी जनपद के त्रिसुंडी औद्योगिक क्षेत्र में S.L.M.G बेवरेज के बॉटलिंग प्लांट का उद्घाटन किया ।

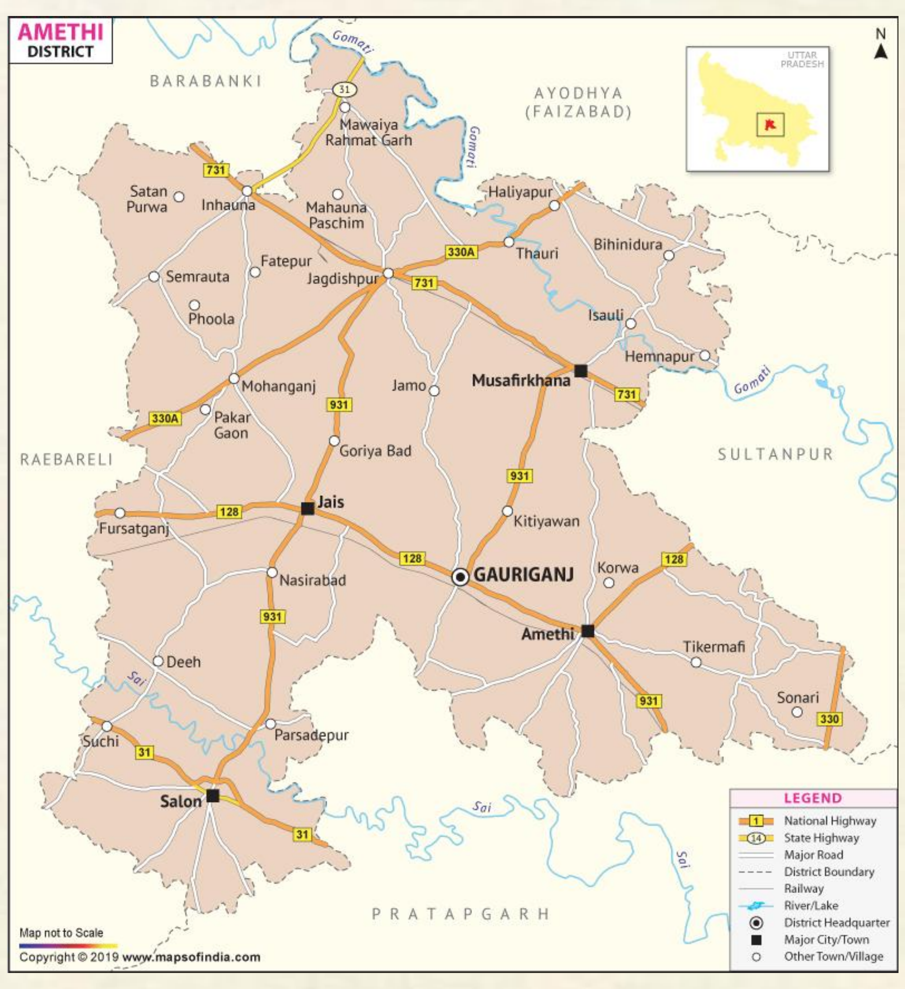

अम्बेडकर नगर (Ambedkar Nagar)

- **गठन व नदियाँ:** अम्बेडकरनगर जनपद की स्थापना 29 सितंबर 1995 को तत्कालीन मुख्यमंत्री सुश्री मायावती ने अयोध्या (तत्कालीन फैजाबाद) के कुछ हिस्सों को अलग कर किया था । इसका मुख्यालय 'अकबरपुर' है । इस जनपद की प्रमुख नदियाँ तमसा (टोंस) एवं घाघरा (सरयू) हैं ।

- **मुख्यालय की विशेषता:** जनपद का मुख्यालय 'अकबरपुर' तमसा नदी (टोंस) के तट पर स्थित है, जो शहर को दो भागों (अकबरपुर एवं शहजादपुर) में विभाजित करती है ।

- **पर्यटन स्थल:** किछौछा शरीफ, लोरपुर राजा का किला, कम्हरिया घाट, नर्वदेश्वर महादेव मंदिर एवं एकलव्य स्टेडियम ।

- **प्रमुख झील:** टोंस, साराउ, देवहाट, हंसवार एवं दरवन झील इत्यादि ।

- **प्रमुख व्यक्तित्व:** यह जनपद डॉ राम मनोहर लोहिया एवं माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली दिव्यांग पूर्व वॉलीबाल खिलाड़ी अरुणिमा सिन्हा की जन्मस्थली है ।

- **शैक्षणिक संस्थान:** महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज, राजकीय इंजीनियरिंग कालेज, रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय ।

- **उद्योग:** यह जनपद मुख्य रूप से वस्त्र उत्पाद (पावरलूम, टेरीकॉट), चीनी उद्योग एवं सीमेन्ट उद्योग के लिए प्रसिद्ध है । टांडा औद्योगिक क्षेत्र में राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (NTPC) द्वारा कोयला आधारित 'ताप विद्युत केन्द्र' स्थापित किया गया है ।

- **अन्य तथ्य:** यहाँ से राष्ट्रीय राजमार्ग NH 233 और NH 232 गुजरते हैं । दैनिक समाचार पत्र 'तमसा संकेत' (1983) अंबेडकर नगर जनपद से निकलता है ।

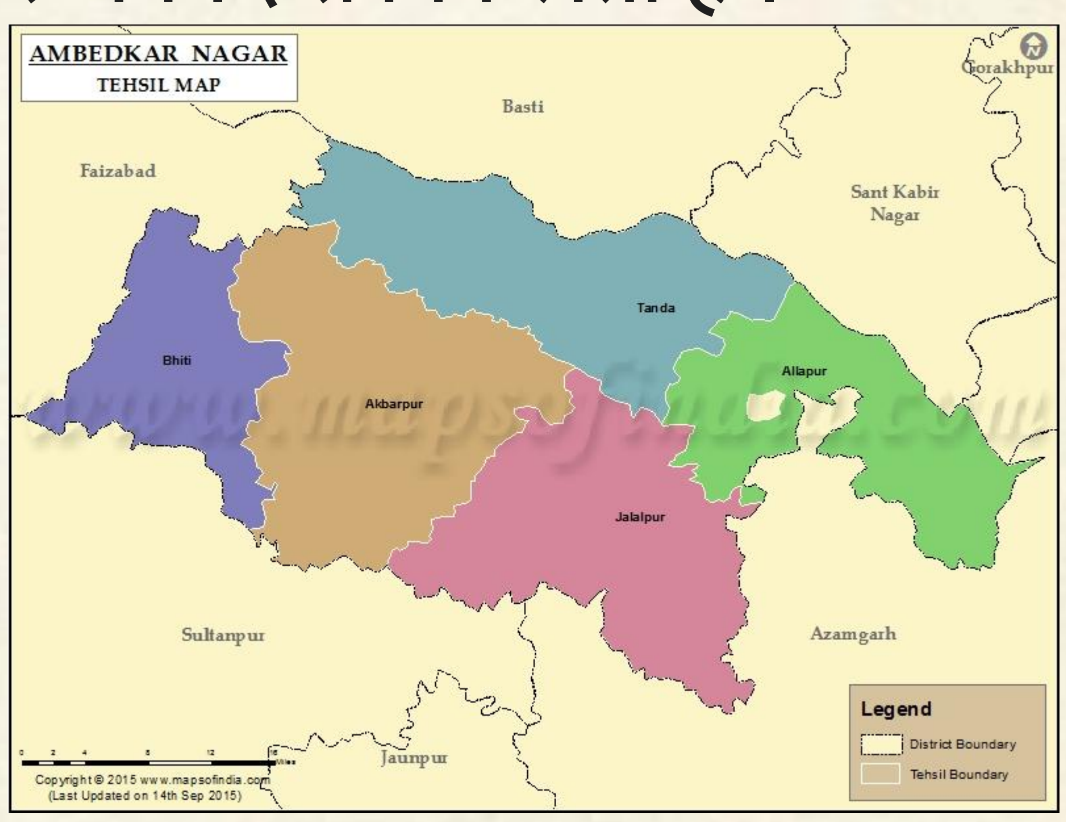

5. अलीगढ़ मण्डल (Aligarh Division)

- अलीगढ़ मंडल उत्तर प्रदेश का नवीनतम मंडल (18वाँ) है, जिसका गठन 21 अप्रैल 2008 को किया गया था।

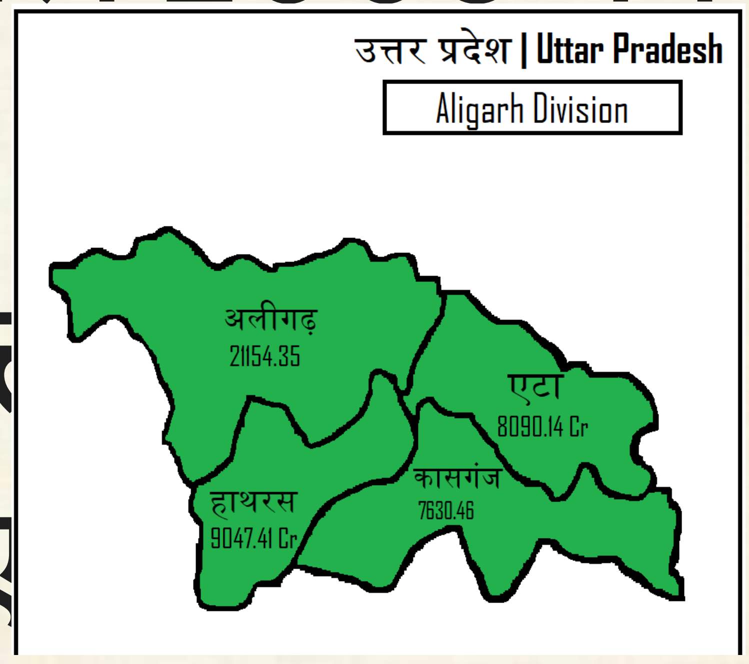

- इस मंडल के अंतर्गत पश्चिमी उ
जनपद सम्मिलित हैं: अलीगढ़, ए
एवं कासगंज।

अलीगढ़ (Aligarh)

- इतिहास व स्थिति: गंगा एवं यमुना नदियों के मध्य स्थित 'अलीगढ़' (ताला नगरी) को 18वीं सदी से पूर्व 'कोल अथवा कोइल' के नाम से जाना जाता था।

- 1877 ई. में सर सैयद अहमद ने यहाँ 'मोहम्मद एंग्लो ओरिएंटल कालेज' की स्थापना की थी। 1920 ई. में इसे 'अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय' की मान्यता मिली।

एटा (Etah)

- **इतिहास व स्थिति:** काली नदी के तट पर स्थित एटा (प्राचीनतम 'ऐठा') जिले को पृथ्वीराज चौहान के सरदार 'राजा संग्राम सिंह' ने बसाया था ।

- इस जनपद में स्थित उत्तर वैदिक कालीन स्थल 'अतरंजीखेड़ा' को चीनी यात्री ह्वेनसांग ने 'पि-लो-शा-न' नाम से संबोधित किया है ।

- कटिंगरा गांव से पाँच हजार वर्ष पुरानी गुप्तकाल, कुषाणकाल एवं महाभारत कालीन चित्रित धूसर मृदभाण्ड मिले हैं ।

- **पर्यटन स्थल:** अतरंजीखेड़ा, जलेसर, मारहरा, छछैना गांव, अवागढ़ किला, कैलाश मंदिर, सकीट एवं कादिरगंज । 'पटना पक्षी विहार' (1990 में स्थापित) एटा जनपद में स्थित है ।

- **उद्योग व ODOP:** प्रमुख हस्तशिल्प उत्पाद खादी वस्त्र, घुंघरु-घंटी, काँच मूँगा, मोती और मूँजवान हैं । एटा जनपद में स्थित 'जलेसर' पीतल घंटी व घुंघरु उद्योग का प्रमुख केन्द्र है । 'एक जिला एक उत्पाद' योजना के अन्तर्गत विशिष्ट उत्पाद भी घुंघरु एवं घंटी है ।

- 1 अगस्त 2023 को जलेसर के 'धातु शिल्प' को GI टैग का प्रमाणन प्राप्त हुआ ।

- **कृषि:** उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक जौ उत्पादन एवं उत्पादकता वाला जनपद एटा है ।

JEET RANA

हाथरस (Hathras)

- **गठन व नाम:** उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र में स्थित इस जनपद की स्थापना 6 मई, 1997 को अलीगढ़, मथुरा एवं आगरा के कुछ भाग को मिलाकर 'महामाया नगर' के नाम से की गयी थी। वर्ष 2012 में तत्कालीन प्रदेश सरकार ने इसका नाम परिवर्तित कर पुनः 'हाथरस' कर दिया।

- **उपनाम:** हाथरस को 'हींग की मंडी' एवं 'हींग व गुलाल की नगरी' की संज्ञा दी जाती है।

- **नदियाँ व लोकनृत्य:** हाथरस जिले में मुख्य रूप से तीन नदियों (सगेर, ईशन एवं करवन) का प्रवाह है। 'नौटंकी' हाथरस जनपद का प्रमुख लोकनृत्य है।

- **पर्यटन स्थल:** श्री दाऊजी महाराज (हसा-यन) एवं महाकाली मंदिर (साहपाउ)।

- **औद्योगिक इकाई:** हींग निर्माण उद्योग, रंग विनिर्माण उद्योग, दूध प्रसंस्करण उद्योग, लकड़ी का फर्नीचर उद्योग एवं ग्लास मनका विनिर्माण उद्योग।

- **व्यक्तित्व:** भारत के प्रसिद्ध हास्य कवि 'काका हाथरसी' का जन्म इसी जनपद में हुआ था।

कासगंज (Kasganj)

- **गठन व नाम:** काली नदी के तट पर स्थित इस जनपद की स्थापना 17 अप्रैल, 2008 को एटा जनपद के कुछ हिस्सों को अलग कर 'कांशीराम नगर' के नाम से की गई थी। वर्ष 2012 में इसका नाम 'काशीराम नगर' से परिवर्तित कर 'कासगंज' कर दिया गया।

- **व्यक्तित्व:** प्रख्यात साहित्यकार एवं संगीतकार अमीर खुसरो का जन्म कासगंज के 'पटियाली' में हुआ था। कासगंज के पटियाली में 'अमीर खुसरो महोत्सव' भी मनाया जाता है।

- **पर्यटन स्थल:** पटियाली, सोरो (शूकर क्षेत्र), नदरई का पुल, वराह भगवान का मंदिर, भगीरथ मंदिर, चामुण्डा मंदिर, बटुकेश्वरनाथ मंदिर व अक्षयवट, मानस मंदिर और परशुराम मंदिर।

- **उद्योग व मेला:** मैकेनिकल इंजिनियरिंग उद्योग, सीमेंट उद्योग एवं विद्युत उद्योग। यहाँ 'सोरो मेला' लगता है।

6. आगरा मण्डल (Agra Division)

- ब्रिटिशकाल में 1836 ई. तक आगरा तत्कालीन 'उत्तर पश्चिम प्रांत एवं अवध प्रांत' की राजधानी थी ।

- वर्तमान में आगरा मंडल उत्तर प्रदेश का प्रमुख प्रशासनिक संभाग है, जिसके अन्तर्गत चार जनपद शामिल हैं: आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद व मैनपुरी ।

आगरा (Agra)

- **इतिहास व नाम:** यमुना नदी के तट पर स्थित आधुनिक आगरा की स्थापना सुल्तान सिकंदर लोदी ने 1504 में की थी । 'महाभारत' में इसे 'अग्रवन' कहा गया है । दूसरी शताब्दी ईस्वी के भूगोलवेत्ता 'टॉलेमी' पहले व्यक्ति थे जिन्होंने इसे 'आगरा' नाम दिया । इसे विश्व में 'ताज नगरी' एवं 'पेठा नगरी' के नाम से जाना जाता है ।

- **पर्यटन स्थल:** ताजमहल (1631 ई.), आगरा का किला (1565), अकबर का मकबरा/सिकंदरा, एतमाद-उद-दौला का मकबरा (1623-28), फतेहपुर सीकरी, जामा मस्जिद, रामबाग, नगीना मस्जिद, महताब बाग, गुरु का ताल, चीनी का रौजा, कीठम झील और खेरिया हवाई अड्डा ।

- **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल:** (i) ताजमहल (1983), (ii) आगरा का किला (1983) एवं (iii) फतेहपुर सीकरी (1986) ।

- **पार्क, सिटी व संस्थान:** लेदर पार्क, निर्यात संवर्द्धन औद्योगिक पार्क, थीम पार्क, रक्षा औद्योगिक गलियारा, डिफेंस पार्क, एयरो स्पेस पार्क, सूचना प्रौद्योगिकी पार्क/सिटी (प्रस्तावित), साफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (निर्माणाधीन), साइबर लैब एवं साइबर थाना (प्रदेश में दूसरा) ।

- **अन्य संस्थान:** छत्रपति शिवाजी म्यूजियम (प्रस्तावित), केन्द्रीय हिन्दी शिक्षण मंडल (1961), कन्हैयालाल मणिकलाल मुंशी हिन्दी तथा भाषा विज्ञान पीठ (1953), नेशनल जालमा इंस्टीट्यूट फॉर लेप्रोसी एंड अदर माइको बैक्टीरियल डिजिसेस, राष्ट्रीय हिन्दी संग्रहालय, ताज शिल्प ग्राम व शिल्प हाट । प्रदेश का पहला केन्द्रीय कारागार (1844) आगरा में स्थित है ।

- **शैक्षणिक संस्थान:** डॉ भीमराव अम्बेडकर वि.वि. (1927), दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (1981), सरोजनी नायडू मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय (1939), नेशनल पैराशूट कालेज, टी.वी. डिमोन्स्ट्रेशन एण्ड ट्रेनिंग सेंटर एवं शारदा वि.वि. (2024) ।

- **मेला एवं महोत्सव:** कैलाश मेला, बटेश्वर पशु मेला (ऊँट मेला), नवरात्रि व गणगौर मेला (सावन के तीसरे सोमवार को), ताज महोत्सव (फरवरी), सुलहकुल महोत्सव (हिन्दू-मुस्लिम एकता) और राम बारात उत्सव ।

- **प्रमुख उद्योग:** चमड़ा, फुटवियर उद्योग, वनस्पति घी उद्योग, कलात्मक संगमरमर, वस्त्र उद्योग, कृषि संयंत्र कारखाने, खेल का समान व साबुन उद्योग, गलीचे व दरी का निर्माण, मिट्टी के खिलौने, पेठा उद्योग और लोहे के बाट ।

- **वन्य जीव:** राष्ट्रीय चम्बल वन्यजीव विहार, सूर सरोवर पक्षी विहार (रामसर स्थल) और भालू बचाव केन्द्र ।

- **पत्र-पत्रिकाएं:** प्रेम प्रचारक (साप्ताहिक), प्रतियोगिता दर्पण, नोक झोंक, साहित्य संदेश, साहित्य लोक, विज्ञान लोक, युवक एवं स्वराज टाइम्स (दैनिक समाचार पत्र) ।

- **विशेष तथ्य व करंट अफेयर्स:** * आगरा में 'प्रथम खेलगांव' की स्थापना की गई और 'नेशनल चैम्बर ऑफ इंडस्ट्री एंड कॉमर्स' (1844 ई.) स्थित है ।
    - 26 जुलाई 2023 को मुख्यमंत्री ने आगरा मेट्रो रेल के हाईस्पीड ट्रायल का शुभारंभ किया ।
    - प्रदेश सरकार ने आगरा में देश का पहला हैरिटेज पार्क एवं रेल कोच रेस्टोरेंट खोलने का निर्णय लिया है ।
    - आगरा के 'सींगना कृषि फार्म हाउस' में अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र, लीमा की क्षेत्रीय शाखा खोली जाएगी ।
    - मई, 2024 में भारतीय वायुसेना द्वारा आगरा में उड़ान के दौरान आपातकालीन लैंडिंग एयरड्रॉप के लिए स्वदेशी मोबाइल चिकित्सालय "भीष्म क्यूब" का परीक्षण किया गया ।
    - 26 अगस्त, 2024 को आगरा में मुख्यमंत्री द्वारा राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की अष्टधातु से निर्मित 15 फिट ऊँची प्रतिमा का अनावरण किया गया ।

मथुरा (Mathura)

- **इतिहास व स्थिति:** यमुना नदी के तट पर स्थित भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि 'मथुरा' महाभारत काल में शूरसेन महाजनपद की राजधानी थी। रामायण महाकाव्य में मथुरा को 'मधुपुर' या 'मधुवन' कहा गया है।

- प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं. दीन दयाल उपाध्याय का जन्म मथुरा के नगला चंद्रभान गांव में हुआ था।

- यह जनपद 'पेड़ा नगरी' एवं 'पंडा नगरी' के नाम से भी जाना जाता है।

- **दर्शनीय स्थल:** गोवर्धन, वृंदावन, गोकुल, कुसुम सरोवर, कंस किला, महवन, नंदगाँव, बरसाना, राधाकुंड, दाऊजी मंदिर, श्रीकृष्ण जन्म भूमि मंदिर, द्वारिकाधीश मंदिर, जैन मंदिर, गीता मंदिर, विश्राम घाट, प्रेम मंदिर (वृन्दावन), शाही ईदगाह मस्जिद, कोकिलाकुंड, रावल एवं इस्कान मंदिर।

- **प्रमुख संस्थान व पार्क:** राजकीय संग्रहालय (1874), राजकीय जैन संग्रहालय (उत्तर प्रदेश का एकमात्र), गीता शोध संस्थान, केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान मखदूम (CIRG), तेल शोधक कारखाना (प्रदेश का पहला) और मेगा फूड पार्क (भदावल)।

- **शैक्षणिक संस्थान:** पं. दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान वि.वि. एवं गौ अनुसंधान संस्थान (2001), संस्कृति वि.वि. (निजी), जी.एल.ए.वि.वि. (निजी), हाथी अस्पताल (भारत का प्रथम) और एस.के.एस. इंटरनेशनल वि.वि. (प्रस्तावित)।

- **झील/ताल:** राधा कुंड, नोह झील और मानसी गंगा कुंड ताल।

- **उद्योग:** पीतल की मूर्तियां व तांबे के बर्तन, पेट्रोलियम रिफाइनरी, ठाकुर जी की पोशाक, कंठी माला, हाथ से कागज निर्माण उद्योग, पेंटिंग्स उद्योग एवं औषधि निर्माण उद्योग ।

- **मेला/महोत्सव:** कंस मेला, हरिदास जयंती मेला (वृंदावन), मुड़िया पूनो मेला (गोवर्धन), देवछठ, श्रावणी व जन्माष्टमी मेला, झूला मेला (श्रावण), ध्रुपद मेला, लठमार होलिकोत्सव और यमुना महोत्सव (कृष्णोत्सव) । उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक मेलों का आयोजन मथुरा में ही होता है ।

- **भौगोलिक तथ्य:** वायु अपरदन से उत्तर प्रदेश के सर्वाधिक प्रभावित जनपद मथुरा एवं आगरा हैं ।

- **विशेष तथ्य व करंट अफेयर्स:** * 28 नवंबर, 2023 को मथुरा के परखम गांव में मोहन भागवत ने एशिया का सबसे बड़ा 'दीनदयाल गो विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र' का लोकार्पण किया ।
    - मथुरा जनपद में 'बंदर बचाव केन्द्र' तथा एक 'हाथी संरक्षण व देखभाल केन्द्र' की भी स्थापना की गई है ।
    - पेयजल उपलब्ध कराने के लिए यमुना नदी पर 'गोकुल बैराज परियोजना' का निर्माण किया गया है ।

फिरोजाबाद (Firozabad)

- **इतिहास व नाम:** यमुना नदी के तट पर अवस्थित 'फिरोजाबाद' (सुहागनगरी एवं चूड़ी नगरी) का प्राचीन नाम 'चंदवार' था । मुगल बादशाह अकबर के मनसबदार फिरोजशाह ने 1566 ई. में इसे अपने नाम पर 'फिरोजाबाद' कर दिया ।

- **गठन:** इस जनपद की स्थापना 5 फरवरी, 1989 को आगरा जिले से अलग कर की गई ।

- **पर्यटन स्थल:** दिगंबर जैन मंदिर, चंदवार गेट, वैष्णों देवी मंदिर, सूफी साहब मजार, फिरोजशाह मकबरा, महावृक्ष अजान, सूफीशाह का मकबरा, कोटला का किला एवं श्री हनुमान मंदिर ।

- **उद्योग व संस्थान:** चूड़ी एवं कांच उद्योग और शीशा शिल्पकृति प्रमुख हैं । यहाँ डीप फ्रीज मीट प्लांट (टुंडला) भी स्थित है ।
- **शैक्षणिक संस्थान:** जे.एस. विश्व-विद्यालय (निजी - 2015) और एफ.एस. वि.वि. (निजी - 2021) ।

मैनपुरी (Mainpuri)

- **इतिहास व स्थिति:** गंगा-यमुना नदियों के दोआब क्षेत्र में स्थित यह जनपद प्राचीन काल में महर्षि मयन एवं च्यवन ऋषि की तपोभूमि रही है । 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में चौहान वंशीय राजा 'तेज सिंह जूदेव' ने मैनपुरी किले में रहकर ब्रितानिया हुकूमत की फौज को पराजित किया था ।

- **पर्यटन व झील:** समान पक्षी विहार (1990), समान कटरा पर्यटन स्थल, तेज सिंह का किला, च्यवन ऋषि आश्रम, मार्कण्डेय ऋषि आश्रम, भीमसेन मंदिर एवं खानकाह रशीदिया । इस जनपद का प्रमुख ताल 'शालिहोतृ सर' है ।

- **पक्षी विहार:** मैनपुरी का 'समान पक्षी विहार' उत्तर प्रदेश के रामसर आर्द्रभूमि स्थल में शामिल है ।

- **उद्योग व निर्यात:** तम्बाकू उद्योग, तेल खनन, कपास ओटना एवं कांच उद्योग । मैनपुरी से निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएं तंबाकू, लहसुन के उत्पाद तथा लकड़ी पर तारकशी के कार्य हैं ।

- **कृषि:** उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में बाजरा की सर्वाधिक प्रति हेक्टेयर उत्पादकता पायी जाती है ।

7. वाराणसी मण्डल (Varanasi Division)

- वाराणसी मंडल उत्तर प्रदेश राज्य का एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक इकाई है ।

- इस मंडल में चार जनपद शामिल हैं: वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर एवं चंदौली ।

वाराणसी (Varanasi)

- इतिहास व स्थिति: गंगा नदी के बाएं तट पर स्थित वाराणसी (बनारस/काशी) भारत का सबसे प्राचीनतम नगर है, जिसका पहली बार उल्लेख 'अथर्ववेद' में प्राप्त होता है । वरुणा एवं अस्सी नामक दो नदियों के मध्य स्थित होने के कारण इसे 'वाराणसी' कहा जाता है ।

- 6वीं शताब्दी ई.पू. के काशी महाजनपद की राजधानी वाराणसी ही थी ।

- यहाँ जैन धर्म के 7वें एवं 23वें तीर्थंकर (सुपार्श्वनाथ एवं पार्श्वनाथ) का जन्म हुआ था ।

- **संग्रहालय एवं भाषा संस्थान:** लाल बहादुर शास्त्री स्मृति संग्रहालय (2018), भारत कला भवन (1920), सारनाथ संग्रहालय (1904), लोककला संग्रहालय, 'हज हाउस', राज्य हिन्दी संस्थान एवं भोजपुरी भवन, दीनदयाल हस्तकला संकुल (2016) और रेलवे संग्रहालय ।
- **प्रमुख उद्योग:** गलीचा निर्माण, पीतल व कलई बर्तन, जरी चिकनकारी एवं गोटे का काम, लकड़ी के खिलौने व फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग, आभूषण उद्योग, रेशमी वस्त्र उद्योग, अमोनियम क्लोराइड कारखाना और सोडा एश कारखाना ।
- **मेला/महोत्सव:** नककटैया मेला (दशहरा), रथयात्रा मेला, ध्रुपद मेला तथा वाराणसी महोत्सव, अखिल भारतीय व्यास समारोह, गंगा महोत्सव, देव-दीपावली उत्सव एवं गंगा पुष्करालु उत्सव (2023) ।
- **चिकित्सा संस्थान:** मदन मोहन मालवीय कैंसर संस्थान, होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल और मानसिक चिकित्सा संस्थान ।

जौनपुर (Jaunpur)

- **इतिहास व नाम:** गोमती नदी के तट पर स्थित जौनपुर (पूर्व का सिराज अथवा 'शिराज-ए-हिन्द') की स्थापना 1358 ई. में सुल्तान फिरोज शाह तुगलक ने अपने चचेरे भाई 'जौना खाँ' (मुहम्मद तुगलक) की स्मृति में की थी ।

- **पौराणिक महत्व:** पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह स्थान भगवान परशुराम जी का जन्मस्थली माना जाता है। इस जनपद के जमैथा गांव में महर्षि जमदग्नि का आश्रम स्थित है ।

- **पर्यटन स्थल:** अटाला मस्जिद (1408), शाही किला (1362), लाल दरवाजा मस्जिद, शाही पुल (1564), झझरी व औरंगजेब मस्जिद (बड़ी मस्जिद), माँ शीतला चौकिया धाम, जामा मस्जिद, हिन्दी भवन, धर्मापुर एवं ऋषि जमदग्नि आश्रम ।

- **प्रमुख संस्थान:** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल वि.वि., लोहिया पर्यावरणीय उद्यान/पार्क, राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज (निर्माणाधीन) और सतहरिया औद्योगिक विकास प्राधिकरण (SIDA:1989) ।

- **उद्योग व कला:** इत्र व सुगंधित तेल उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक उद्योग, कृषि तथा कालीन उद्योग । 'चौरसिया' जौनपुर जिले का प्रमुख लोकनृत्य है ।

- **जनसांख्यिकी:** उत्तर प्रदेश में 'जौनपुर' (जनगणना-2011) सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जनपद (1024) है ।

गाजीपुर (Ghazipur)

- **इतिहास व नाम:** गंगा नदी के तट पर स्थित गाजीपुर की स्थापना 1330 ई. में सैय्यद मसूद गाजी द्वारा किया गया था । इसका प्राचीनतम नाम 'गाधिपुरी' था, जिसे 'छोटी काशी' के नाम से भी जाना जाता है ।

- **ऐतिहासिक स्थल:** इस जनपद में लार्ड कार्नवालिस का मकबरा एवं भीतरी सैदपुर में सम्राट स्कंदगुप्त का विजय स्तंभ भी स्थित है ।

- **पर्यटन स्थल:** जलालाबाद का किला, पौहारी बाबा आश्रम, स्कंदगुप्त का भीतरी स्तंभ लेख, विष्णु मंदिर, नेहरू स्टेडियम और चकेरी धाम ।

- **उद्योग:** इत्र एवं सुगंधित तेल उद्योग, अफीम उद्योग और गन्ना बीज संवर्द्धन प्रक्षेत्र । अंग्रेजों ने सर्वप्रथम 1820 ई. में विश्व के सबसे बड़े अफीम कारखाने की स्थापना 'गाजीपुर' जनपद में की थी। यह जनपद 'गुलाब जल' के उत्पादन के लिए अति प्रसिद्ध है ।

- **विशेष तथ्य:** गाजीपुर जनपद में स्थित 'गहमर गांव' एशिया के सबसे बड़े गाँवों में से एक माना जाता है, जिसे फौजियों का भी गांव कहा जाता है । उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में चना की प्रतिहेक्टेयर उत्पादकता सर्वाधिक है ।

चंदौली (Chandauli)

- **गठन व स्थिति:** गंगा नदी के पूर्वी एवं दक्षिणी तट पर स्थित 'चंदौली जनपद' का गठन 25 मई 1997 को तत्कालीन मुख्यमंत्री सुश्री मायावती द्वारा वाराणसी जनपद से अलग कर किया गया था। कर्मनाशा नदी चंदौली जनपद और बिहार राज्य के मध्य विभाजन की रेखा है।

- **उपनाम:** इस जनपद को उत्तर प्रदेश में 'धान का कटोरा' के नाम से जाना जाता है।

- **दर्शनीय स्थल:** नवगढ़ के जंगल, धानापुर शहीद स्मारक, चंद्रप्रभा डैम, औरवाटांड, राजधारी, देवदारी जल प्र
जीव विहार, लतीफ शाह
दीनदयाल उपाध्याय स्मृ

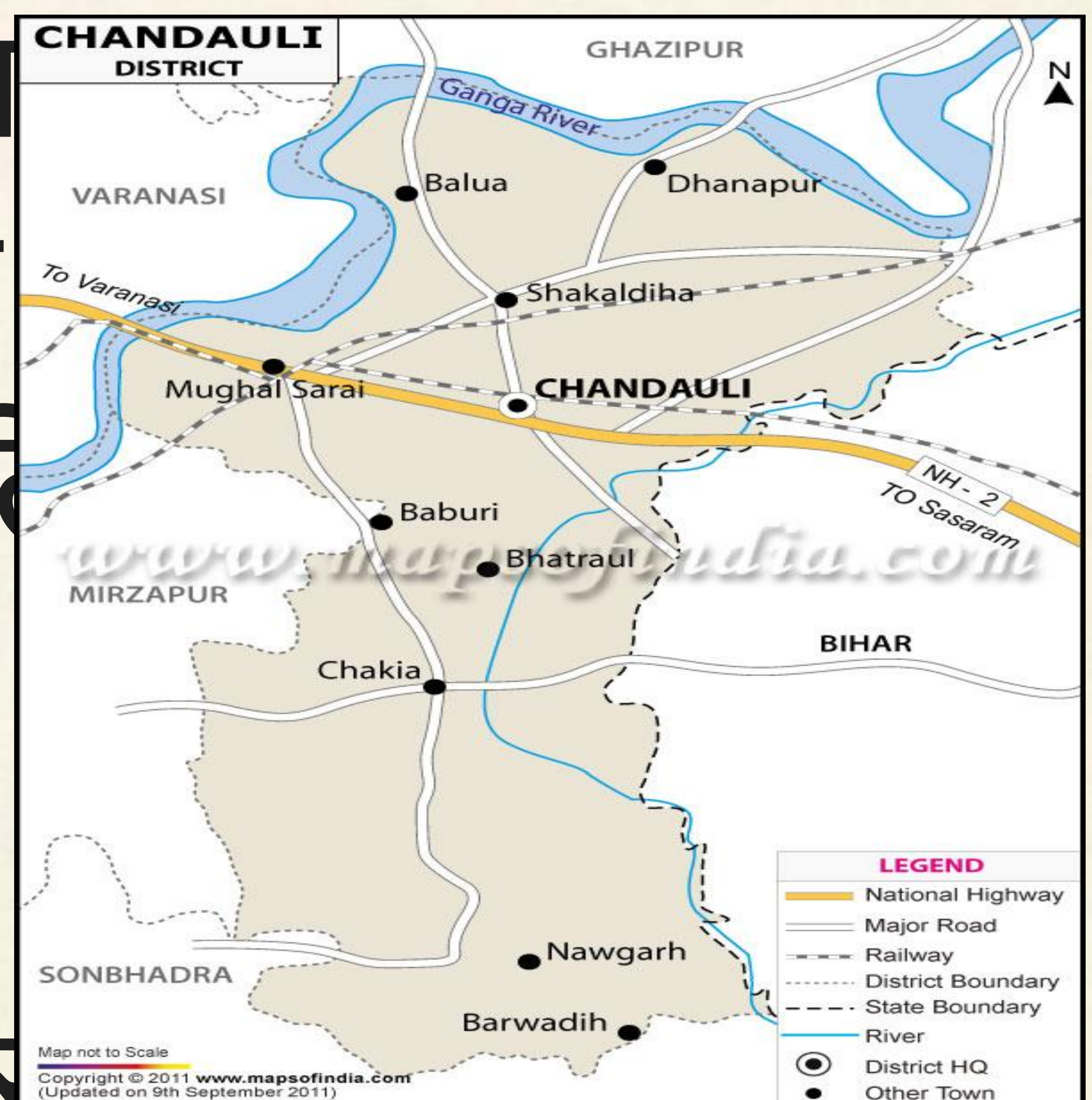

- **प्रमुख संस्थान व विहार:**
इस्त्राइल सेंटर आफ एक
वेजिटेबल्स' स्थित है। यहाँ स्थित 'चंद्रप्रभा

8. गोरखपुर मण्डल (Gorakhpur Division)

- 'गोरखपुर मंडल' गंगा नदी के तराई क्षेत्र एवं शिवालिक हिमालय की 'तलहटी' में स्थित उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण प्रशासनिक संभाग है, जिसका मुख्यालय 'गोरखपुर' है ।

- इस मंडल के अंतर्गत प्रमुख 4 जिले शामिल हैं: गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया, एवं कुशीनगर ।

JEET RANA

गोरखपुर (Gorakhpur)

- इतिहास व नाम: गंगा की सहायक राप्ती एवं रोहिन नदी के तट पर स्थित 'गीता प्रेस नगरी' गोरखपुर (राम ग्राम, गोरक्षपुर) छठी शताब्दी ई.पू. में कोशल महाजनपद का हिस्सा था । गोरखपुर का नाम 'नाथ सम्प्रदाय' के प्रसिद्ध संत 'गोरक्षनाथ' से सम्बद्ध है, जिन्होंने योग के रूप में 'हस्त योग' को लोकप्रिय बनाया । इसे 'नाथ नगरी' की भी संज्ञा प्रदान की गई है ।

- गोरखनाथ मंदिर: संत गोरक्षनाथ के निर्वाण

- **मेला/महोत्सव:** खिचड़ी मेला (मकर संक्रांति), सरयू महोत्सव और गोरखपुर महोत्सव ।

- **रेलवे व जलवायु:** विश्व का दूसरा सबसे लम्बा प्लेटफार्म 'गोरखपुर' (1366मी.) में है। पूर्वोत्तर रेलवे जोन का मुख्यालय एवं 'रेलवे भर्ती बोर्ड' दोनों 'गोरखपुर' में हैं । यहाँ 'रेल डिब्बा रिपेयर कारखाना' भी है । उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक वर्षा (द. पश्चिमी मानसून से) गोरखपुर जनपद में होती है ।

- **प्राणी उद्यान व संरक्षण:** गोरखपुर जनपद में 'शहीद अशफाक उल्लाह खाँ प्राणी उद्यान' (वृहत श्रेणी का चिड़ियाघर) स्थित है । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 20 जनवरी, 2025 को यहाँ 'हाथी बचाव केन्द्र' एवं 'तितली-उद्यान' का लोकार्पण किया ।

- **पत्र-पत्रिकाएं:** लोक प्रिय धार्मिक पत्रिका 'कल्याण' (गीता प्रेस) एवं मासिक पत्रिका 'आरोग्य' गोरखपुर से प्रकाशित होती है ।

- **इतिहास:** 9 अगस्त, 1925 को काकोरी कांड (लखनऊ) में शामिल क्रांतिकारी राम प्रसाद बिस्मिल को गोरखपुर में फाँसी दी गई थी ।

- **करंट अफेयर्स:** * 12 जनवरी, 2025 को गोरखपुर में मुख्यमंत्री ने 172 लाख रुपये की लागत से निर्मित किए जा रहे 'नानाजी देशमुख पार्क' का शिलान्यास किया ।
    - गोरखपुर भारत का पहला एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन शहर बन रहा है ।
    - गोरखपुर में उत्तर प्रदेश का पहला 'महिला विश्वविद्यालय' स्थापित किए जाने की घोषणा की गयी है ।

महराजगंज (Maharajganj)

- **इतिहास व स्थिति:** नेपाल और बिहार राज्य के पश्चिमी चम्पारण जनपद की सीमा से लगा हुआ 'महराजगंज' महाकाव्यकाल में 'कारापाथ' के नाम से जाना जाता था, जो कि कोशल महाजनपद का एक भाग था। उक्त जनपद का गठन 2 अक्टूबर, 1989 को गोरखपुर के कुछ हिस्सों को अलग कर किया गया था।

- **नदियां:** नारायणी, राप्ती, रोहिन, घोघी एवं डंडा नदी।

- **पर्यटन स्थल:** इटाहिया का पंचमुखी शिव मंदिर, लेहड़ा देवी का मंदिर, रामग्राम, सोहागी बरवा वन्य जीव विहार (1987), कटहरा शिवलिंग एवं अन्तर्राष्ट्रीय सीमा सोनौली।

- **संरक्षण केंद्र:** महराजगंज में अप्रैल, 2023 को विश्व का पहला 'एशियाई किंग गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन केन्द्र' स्थापित किया गया है। इसी जनपद में ही एक 'जनजातीय संग्रहालय' की भी स्थापना की जाएगी।

- **चिकित्सा संस्थान:** के.एम.सी. मेडिकल कॉलेज (निर्माणाधीन)।

- **जनसांख्यिकी:** जनगणना, 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार महराजगंज जनपद उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक लिंग साक्षरता गैप (26.9 प्रतिशतांक) वाला जनपद है।

देवरिया (Deoria)

- **गठन व स्थिति:** घाघरा, राप्ती एवं छोटी गंडक नदियों के तट पर स्थित इस जनपद की स्थापना 16 मार्च, 1946 को हुई थी। इस जनपद का पूर्वी भाग बिहार राज्य के गोपाल गंज एवं सिवान जनपद से लगा हुआ है। देवरिया जनपद के 'बरहज' के निकट राप्ती नदी का घाघरा नदी से संगम होता है।

- **व्यक्तित्व:** देवरिया जनपद ब्रह्मर्षि देवरहा बाबा, भगवान दास गोंड, बाबा राघव दास एवं आचार्य नरेन्द्र देव जैसे महा-पुरूषों की कर्म-भूमि रहा है।

- **दर्शनीय स्थल:** दुग्धेश्वर नाथ मंदिर, परशुराम धाम, सोमनाथ मंदिर, देवरहा बाबा आश्रम, श्री तिरुपति बालाजी मंदिर एवं हनुमान मंदिर।

- **उद्योग व चिकित्सा संस्थान:** भारत वर्ष की प्रथम चीनी मिल 1903 ई. में देवरिया जनपद के 'प्रतापपुर' में स्थापित की गई थी। यहाँ महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज स्थित है।

कुशीनगर (Kushinagar)

- **इतिहास व नाम:** हिरण्यवती नदी के तट पर स्थित वर्तमान कुशीनगर की पहचान 'कुसावती' (पूर्व बुद्ध काल में) और 'कुशीनारा' (बुद्ध काल के पश्चात्) से की जाती है । छठी शताब्दी ईसा पूर्व में यह मल्ल महाजनपद की राजधानी थी । इसी जनपद में गौतम बुद्ध का 'महापरिनिर्वाण' हुआ था ।

- **गठन:** कुशीनगर जनपद की स्थापना 13 मई, 1994 को देवरिया जनपद के कुछ हिस्से को अलग कर किया गया था । इस जनपद का मुख्यालय 'पड़रौना' है ।

- **पर्यटन स्थल:** रामभार स्तूप, श्रीलंका मंदिर, चीनी बौद्ध मंदिर, महापरिनिर्वाण मंदिर, वेइली, धनहाँ, 'राजकीय बौद्ध संग्रहालय', बिड़ला बौद्ध मंदिर, माथा कुंअर प्रतिमा (10 फिट ऊँची), बुद्ध की शयनमुद्रा में प्रतिमा (21.6 फिट लंबी), राम जानकी व शिव मंदिर इत्यादि ।

- **प्रमुख संस्थान:** महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि. (निर्माणाधीन), भारत का पहला किन्नर (ट्रांसजेंडर) प्राथमिक केन्द्रीय वि.वि. (निर्माणाधीन), खादी एवं ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र, राजकीय मेडिकल कॉलेज (निर्माणाधीन), मेडिटेशन पार्क और गेदा सिंह गन्ना प्रजनन एवं अनुसंधान केन्द्र ।

- **परिवहन व महोत्सव:** अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध तीर्थ स्थल 'कुशीनगर' में वायु परिवहन के लिए 'कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा' की स्थापना की गई है । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 20 अक्टूबर 2021 को इसका उद्घाटन किया था । कुशीनगर जनपद में प्रत्येक वर्ष 'बौद्ध महोत्सव' का आयोजन किया जाता है ।

- **कृषि:** कुशीनगर जनपद में गन्ने हेतु 'ऊतक संवर्द्धन प्रयोगशाला' स्थित है ।

9. देवीपाटन मण्डल (Devipatan Division)

- उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग में स्थित 'देवीपाटन मंडल' की स्थापना 21 नवंबर 1997 को हुई है।

- इस मंडल का नाम बलरामपुर जिले के तुलसीपुर में स्थित 'माँ पाटेश्वरी देवी' के नाम पर 'देवीपाटन' रखा गया। इसका मुख्यालय 'गोंडा' है।

- इस मंडल में कुल चार जनपद सम्मिलित हैं: गोंडा, बहराइच, बलरामपुर एवं श्रावस्ती।

गोंडा (Gonda)

- **इतिहास व स्थिति:** घाघरा एवं सरयू नदी के तट पर स्थित गोंडा जनपद का प्राचीन नाम 'गोनर्द' था, जो 'कोशल महाजनपद' का भाग था। यहाँ 'देवीपाटन मंडल' का मुख्यालय स्थित है।

- **इतिहास:** 9 अगस्त, 1925 को काकोरी षडयंत्र कांड में शामिल क्रांतिकारी राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी को गोंडा में ही 17 दिसंबर, 1927 को फांसी दी गयी थी।

- **पर्यटन स्थल:** श्री स्वामी नारायण मंदिर छपिया, पृथ्वीनाथ मंदिर, पार्वती अरगा पक्षी विहार (1990) और सुहेलवा वन्यजीव विहार (1988)।

- **उद्योग व ODOP:** गोंडा जनपद का प्रमुख उद्योग 'चीनी उद्योग' एवं 'उर्वरक कारखाना' है। 'एक जिला एक उत्पाद' योजना के अंतर्गत उक्त जिले का विशिष्ट उत्पाद 'खाद्य प्रसंस्करण' (दालें) हैं।

- **प्रमुख संस्थान:** रेशम अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (सुभागपुर), इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज (मनकापुर) और गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गोंडा जनपद में जनजातियों के लिए 'वनटांगिया ग्राम प्रशिक्षण केन्द्र' स्थापित किया गया है।

- **करंट अफेयर्स व संरक्षण:** * अक्टूबर 2023 को गोंडा जनपद में उत्तर प्रदेश का पहला 'मिशन शक्ति कैफे' खोला गया है।
  - गोंडा जनपद में ही 'कछुआ संरक्षण रिजर्व' स्थापित किया जाएगा।
  - केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 2 फरवरी, 2025 को 'विश्व आर्द्रभूमि दिवस' समारोह का आयोजन गोंडा में स्थित 'पार्वती अरगा पक्षी अभयारण्य' में किया।

बहराइच (Bahraich)

- **इतिहास व स्थिति:** सरयू नदी के तट पर स्थित एवं नेपाल की सीमा से लगा बहराइच (पौराणिक नाम- 'ब्रह्मर्चि') सृष्टि के रचनाकार 'आदि पिता ब्रह्मा' की राजधानी थी, जिसे 'गंधर्व क्षेत्र' के रूप में जाना जाता था ।

- ग्यारहवीं शताब्दी में महाराजा सुहेल देव एवं सैय्यद सालार मसूद गाजी के मध्य युद्ध हुआ, जिसमें मसूद गाजी की मृत्यु हो गयी । कालांतर में (1250 ई.) सुल्तान नसीरुद्दीन महमूद ने बहराइच में मसूद गाजी की कब्र पर मजार बनवा दिया ।

- **मेला:** प्रत्येक वर्ष (ज्येष्ठ माह में) मसूद गाजी की मजार पर 'उर्स मेले' का आयोजन होता है । 'सैय्यद सालार मेला' भी यहाँ लगता है ।

- **पर्यटन स्थल:** राजा सुहेल देव मंदिर (ऐतिहासिक स्थल), सैय्यद सालार मसूद गाजी की दरगाह, कतर्निया-घाट वन्य जीव अभयारण्य (1976), श्री सिद्धनाथ महादेव मंदिर, राजकीय इंदिरा उद्यान, राजा की कोठी (नानपारा) एवं ककहरा इको पर्यटन ।

- **झील व कृषि:** बहराइच उत्तर प्रदेश का 'सर्वाधिक मक्का उत्पादक' जिला है । इस जनपद की प्रमुख झील पयाग झील एवं चितौरा झील है ।

- **चिकित्सा संस्थान:** बहराइच जनपद में महाराजा सुहेलदेव स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं 'महर्षि बालार्क चिकित्सालय' स्थित है ।

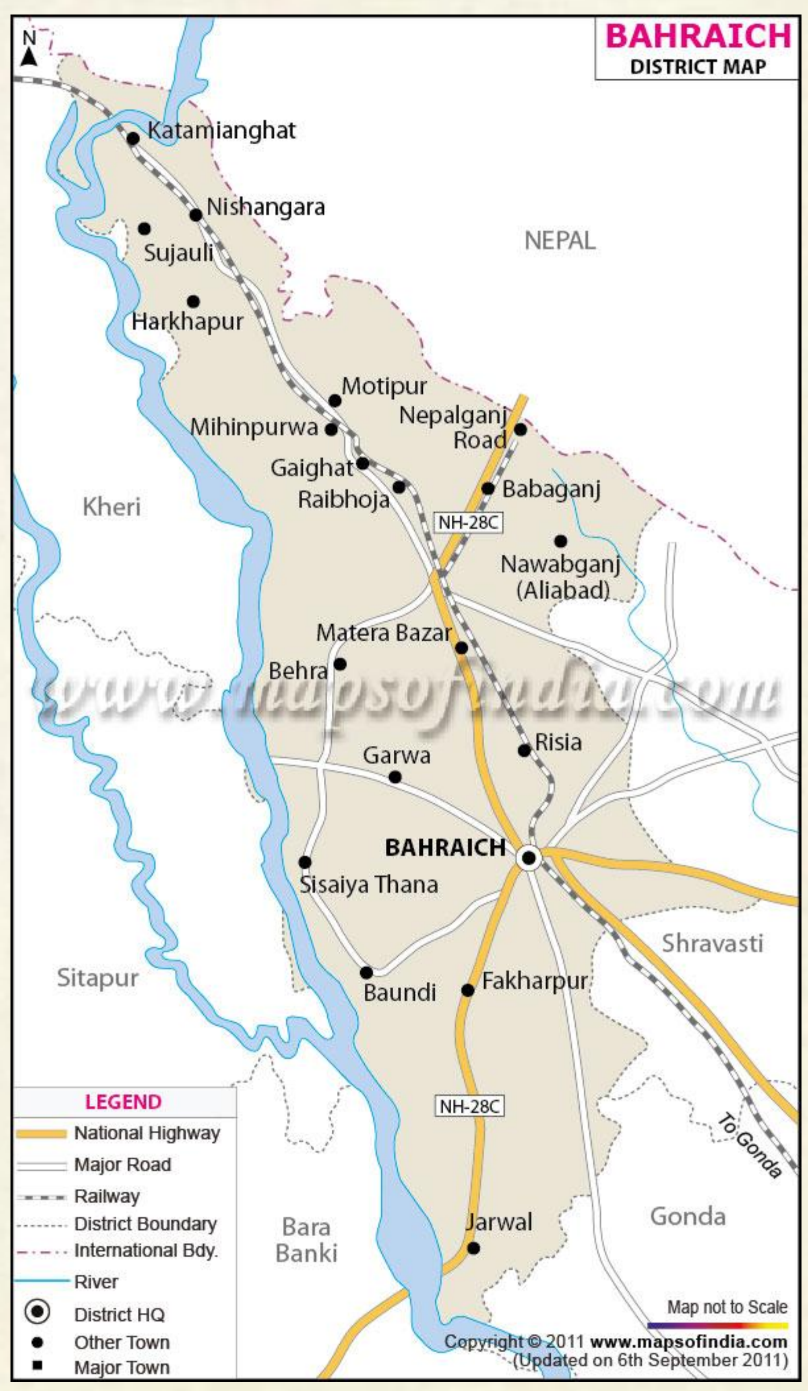

बलरामपुर (Balarampur)

- **गठन व स्थिति:** राप्ती नदी के तट पर अवस्थित बलरामपुर नेपाल का सीमावर्ती जिला है। इस जिले की स्थापना 25 मई, 1997 को गोण्डा जनपद के कुछ हिस्से को अलग कर की गयी थी।

- **तीर्थ व मेला:** यहाँ पर 51 वीं शक्ति पीठ 'माँ पाटेश्वरी देवी' का धाम है, जहाँ पर प्रति वर्ष 'देवीपाटन मेला' लगता है।

- **दर्शनीय स्थल:** दुःखहरणनाथ मंदिर, देवीपाटन मंदिर (तुलसीपुर), सुहेलदेव वन्यजीव अभ्यारण्य (1988), कोइलाबास, बिजलीपुर मंदिर और जयप्रभा ग्राम।

- **प्रमुख संस्थान:** थारू जनजाति एवं संस्कृति संग्रहालय (निर्माणाधीन) और माँ पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय (निर्माणाधीन)।

- **उद्योग व ODOP:** 'एक जिला एक उत्पाद' योजना के तहत बलरामपुर जनपद का चिन्हित उत्पाद 'खाद्य प्रसंस्करण' (दाल) है। उक्त जनपद में प्रमुख रूप से हथकरघा व लकड़ी के कार्य किये जाते हैं।

- **जनसांख्यिकी:** बलरामपुर उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक शिशु लिंगानुपात एवं सर्वाधिक ग्रामीण शिशु लिंगानुपात वाला जनपद है।

JEET RANA

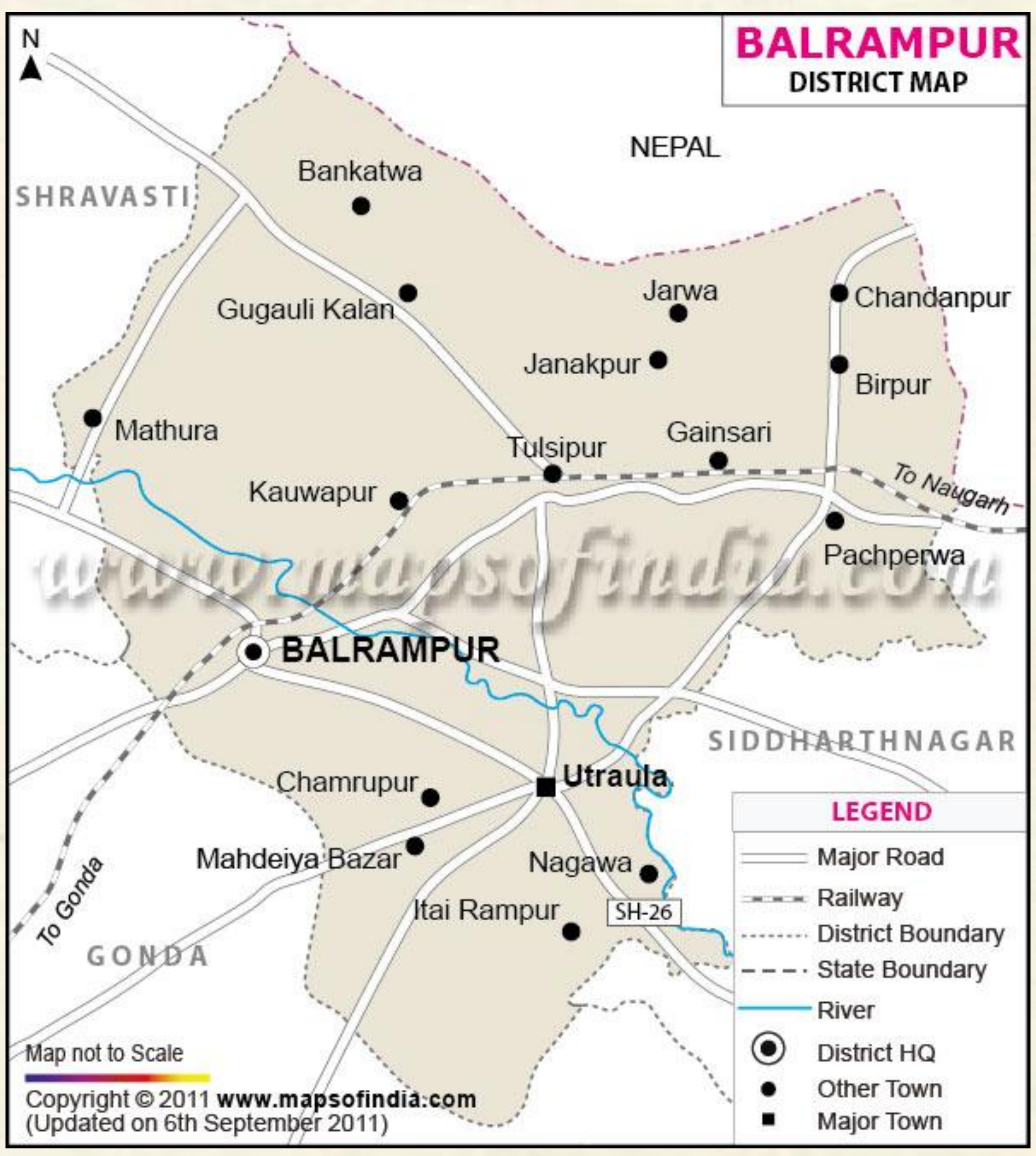

श्रावस्ती (Shravasti)

- इतिहास व स्थिति: नेपाल की सीमा पर स्थित श्रावस्ती जनपद (सहेत-महेत) छठी शताब्दी ईसा पूर्व में कोशल महाजनपद की दक्षिणी राजधानी थी ।

- महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन के अंतिम 25 वर्षाकाल श्रावस्ती में ही व्यतीत किए तथा सर्वाधिक उपदेश भी दिए ।

- यह जनपद जैन धर्म के तीसरे तीर्थंकर 'संभवनाथ' एवं आजीवक सम्प्रदाय के महान प्रवर्तक 'मक्खलि गोशाल' की जन्म स्थली भी रहा है ।

- पुरातात्विक स्थल 'सहेत-महेत' भी श्रावस्ती जनपद में स्थित है ।

- इतिहास व पर्यटन: इस जनपद का मुख्यालय 'भिनगा' में स्थित है । इसकी स्थापना 22 मई, 1997 को बहराइच जनपद से अलग कर की गई थी । यहाँ के प्रमुख पर्यटन स्थल जेतवन महाविहार अवशेष, शोभनाथ मंदिर, अंगुलिमाल गुफा, विश्वशांति घंटा, विभूतिनाथ मंदिर, चाइना मंदिर, महामंगोल मंदिर, स्वर्णगन्ध कुटी बिहार, पुब्बाराम विहार, विपश्यना ध्यान केन्द्र एवं सुहेलदेव वन्यजीव अभ्यारण्य (1988) हैं ।

- जनसांख्यिकी व तथ्य:
    - श्रावस्ती सबसे कम वैधानिक नगरों (2) वाला जिला है ।
    - जनगणना, 2011 के अनुसार, 'श्रावस्ती' उत्तर प्रदेश का न्यूनतम साक्षरता दर वाला (46.7%), न्यूनतम पुरुष साक्षरता दर वाला (57.2%) एवं न्यूनतम महिला साक्षरता दर वाला (34.8%) जनपद है ।
    - श्रावस्ती जनपद उत्तर प्रदेश का न्यूनतम नगरीय जनसंख्या वाला, न्यूनतम नगरीय प्रतिशत वाला (3.5%) एवं सर्वाधिक ग्रामीण प्रतिशतता (96.5%) वाला जिला है ।

10. मुरादाबाद मण्डल (Moradabad Division)

- मुरादाबाद मंडल उत्तर प्रदेश की 18 प्रशासनिक भौगोलिक इकाइयों (संभाग) में से एक है, जिसकी स्थापना उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 1980 में की गई थी।

- इस मंडल में कुल 5 जिले शामिल हैं: मुरादाबाद, बिजनौर, रामपुर, अमरोहा एवं संभल।

मुरादाबाद (Moradabad)

- **इतिहास व उपनाम:** रामगंगा नदी के तट पर स्थित पीतल नगरी 'मुरादाबाद' (ब्रास सिटी) की स्थापना 1600 ई. में मुगल सम्राट शाहजहाँ के पुत्र मुराद द्वारा की गई थी।

- **शिल्प व उद्योग:** यह जनपद मुख्य रूप से पीतल के बर्तनों पर हस्तशिल्प के लिए प्रख्यात है। यहाँ पीतल बर्तन कलई उद्योग, पीतल ढलाई उद्योग, पीतल मूर्ति उद्योग, एवं चीनी उद्योग प्रमुख हैं।

- **दर्शनीय स्थल:** साईं मंदिर, गौतम बुद्ध पार्क, प्रेम वंडरलैंड एंड वाटर किंगडम, शाहवली की दरगाह, इको हर्बल पार्क तथा रामलीला मैदान।

- **शैक्षणिक संस्थान:** तीर्थंकर महावीर (निजी) वि.वि. (2008), आई.एफ.टी.एम. (निजी) वि.वि. (2010), गुरुजम्भेश्वर राज्य वि.वि. (निर्माणाधीन)।

- **अन्य संस्थान व परियोजनाएँ:** सूचना प्रौद्योगिकी पार्क, डॉ अम्बेडकर उ.प्र. पुलिस अकादमी, मुरादाबाद विशेष आर्थिक क्षेत्र एवं मेटल क्राफ्ट (निवेश परियोजना), अंतर्राष्ट्रीय स्तर का मेगा कन्वेंशन सेंटर (निर्माणाधीन) और नंदी अभ्यारण्य (प्रस्तावित)।

- **करंट अफेयर्स:** मुरादाबाद जनपद में एशिया के दूसरे सबसे बड़े फिश मार्केट का निर्माण किया जाएगा (पहला- चन्दौली)।

बिजनौर (Bijnaur)

- **इतिहास व गठन:** गंगा नदी के तट पर अवस्थित बिजनौर (नगीना) का गठन 1817 ई. में मुरादाबाद से अलग कर किया गया था तथा 'नगीना' को इसका मुख्यालय बनाया गया । 1824 ई. में इसका मुख्यालय 'बिजनौर' कर दिया गया ।

- **पौराणिक महत्व:** पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह कौरव, पाण्डवों तथा राजा दुष्यंत की कर्म स्थली रहा है ।

- **भौगोलिक तथ्य:** गंगा नदी का उत्तर प्रदेश में पहली बार प्रवेश बिजनौर जनपद से होता है । उत्तर प्रदेश में चावल की सर्वाधिक उत्पादकता वाला जनपद बिजनौर है ।

- **दर्शनीय स्थल:** विदुर कुटी आश्रम, इन्द्रा पार्क, नजीबाबाद सुल्तान किला, निजाब-उद-दुलाह किला, विदुर कुटी मंदिर, दरगाह आलिया नजफ-ए-जान जोगिपुरा एवं एजाज अली हाल ।

- **जनजातियाँ:** बिजनौर जनपद में मुख्य रूप से भोक्सा (बुक्सा) जनजाति एवं माहीगीर जनजातीय समुदाय (OBC की सूची में शामिल) के लोग निवास करते हैं ।

- **वन्य जीव व अभयारण्य:** अमनगढ़ बफर बाघ अभयारण्य, हैदरपुर आर्द्रभूमि, और हस्तिनापुर वन्यजीव विहार (1986) । वर्ष 2012 में अमनगढ़ को कार्बेट टाइगर रिजर्व (उत्तराखंड) का बफर क्षेत्र घोषित किया गया था ।

- **मेला:** बिजनौर जनपद में 'खारी झल्लू कार्तिक मेले' का आयोजन होता है ।

- **उद्योग व निर्यात:** बिजनौर जनपद के 'नगीना' से निर्यात किये जाने वाले उत्पादों में कंघी, हड्डी शिल्प एवं नक्काशी युक्त लकड़ी प्रमुख हैं । औद्योगिक इकाइयों में लकड़ी की नक्काशी (नगीना), हथकरघा एवं सूती वस्त्र उद्योग (धामपुर) तथा कम्बल निर्माण (नजीबाबाद) शामिल हैं ।

- **परियोजनाएँ:** बिजनौर जनपद में रामगंगा नदी पर 'रामगंगा नदीघाटी परियोजना' (धामपुर) तथा 'रामगंगा कांठी बांध परियोजना' स्थित है ।

रामपुर (Rampur)

- **इतिहास व नाम:** कोसी नदी के बाएँ तट पर अवस्थित 'नवाबों का शहर' रामपुर की स्थापना 1775 ई. में नवाब फैजुल्लाह खान ने राजा राम सिंह के नाम पर की थी । राजा अली खान रामपुर के अंतिम नवाब थे ।

- **उपनाम व उद्योग:** रामपुर जनपद मुख्य रूप से 'चाकू उद्योग' एवं 'पतंग उद्योग' के लिए अति प्रसिद्ध है । यह जिला 'चाकुओं के नगर' के रूप में जाना जाता है । अन्य उद्योगों में चिकन, जरी जरदोजी उद्योग, स्प्रिट व शराब उद्योग एवं कागज उद्योग शामिल हैं ।

- **पर्यटन स्थल:** रजा लाइब्रेरी, गाँधी समाधि, लखीबाग कोठी, बेनजीर कोठी, जामा मस्जिद, अम्बेडकर पार्क, गौर झील, मोती झील, हाजी जमातुल्लाह की मजार, रामपुर किला एवं रठौण्डा मंदिर ।

- **प्रमुख संस्थान:** मौलाना मुहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय (2006), आर्यभट्ट नक्षत्रशाला (डिजिटल लेजर तकनीक से चलने वाली देश की पहली), डॉ भीम राव अम्बेडकर संग्रहालय एवं पुस्तकालय एवं नवाब जुल्फिकार अली एस्ट्रोटर्फ (हॉकी) ।

- **मेला व संगीत:** रामपुर जनपद में फाल्गुन महीने में प्रत्येक वर्ष 'फाग मेले' का आयोजन किया जाता है । रामपुर घराना 'खयाल गायिकी' के लिए प्रसिद्ध है । रामपुर रियासत के नवाब हामिद अली तत्कालीन ध्रुपद गायक उस्ताद वजीर खाँ के शिष्य थे ।

- **जनसांख्यिकी:** रामपुर उत्तर प्रदेश का वह जनपद है, जहाँ अल्पसंख्यक समुदाय का सर्वाधिक संकेन्द्रण है ।

अमरोहा (Amroha)

- **इतिहास व गठन:** गंगा नदी के तट पर स्थित अमरोहा जनपद (ज्योतिबा फुले नगर) की स्थापना 15 अप्रैल, 1997 को मुरादाबाद जनपद के कुछ हिस्सों को अलग कर की गई ।

- प्राचीनकाल में यह 'पांचाल महाजनपद' का हिस्सा था, जो 'अंबिका नगर' के नाम से जाना जाता था ।

- **उद्योग व वाद्य यंत्र:** यह जनपद मुख्य रूप से 'ढोलक वाद्य यंत्र' के लिए प्रसिद्ध है । अन्य उद्योगों में उर्वरक उद्योग, कागज उद्योग, चीनी उद्योग, गंधक उद्योग, ढोलक उद्योग का प्रमुख केन्द्र एवं हैंडलूम, पावरलूम व रेडीमेड स्टोरेज उद्योग शामिल हैं । हिन्दुस्तान लीवर का शिवालिक सेलोलॉस उद्योग, चड्ढा रबर उद्योग एवं वाम ओरगेनिक उद्योग यहाँ की प्रमुख औद्योगिक इकाइयाँ हैं ।

- **दर्शनीय स्थल:** श्री वासुदेव तीर्थ सरोवर, मजार शाह विलायत साहिब, गजरौला, रजाबपुर, शाह नसरुद्दीन साहिब की मजार, टिगरी, तुलसी पार्क एवं हसनपुर ।

- **शैक्षणिक संस्थान:** अमरोहा जनपद के गजरौला में एक निजी वि.वि. श्री बैंकटेश्वर विश्व विद्यालय (2010) की स्थापना की गई है ।

- **मेला/महोत्सव:** गंगा मेला ।

- **करंट अफेयर्स:** उत्तर प्रदेश सरकार ने अमरोहा जनपद के निवासी भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के गाँव 'सहसपुर अली नगर' में एक क्रिकेट स्टेडियम बनाने की घोषणा की है ।

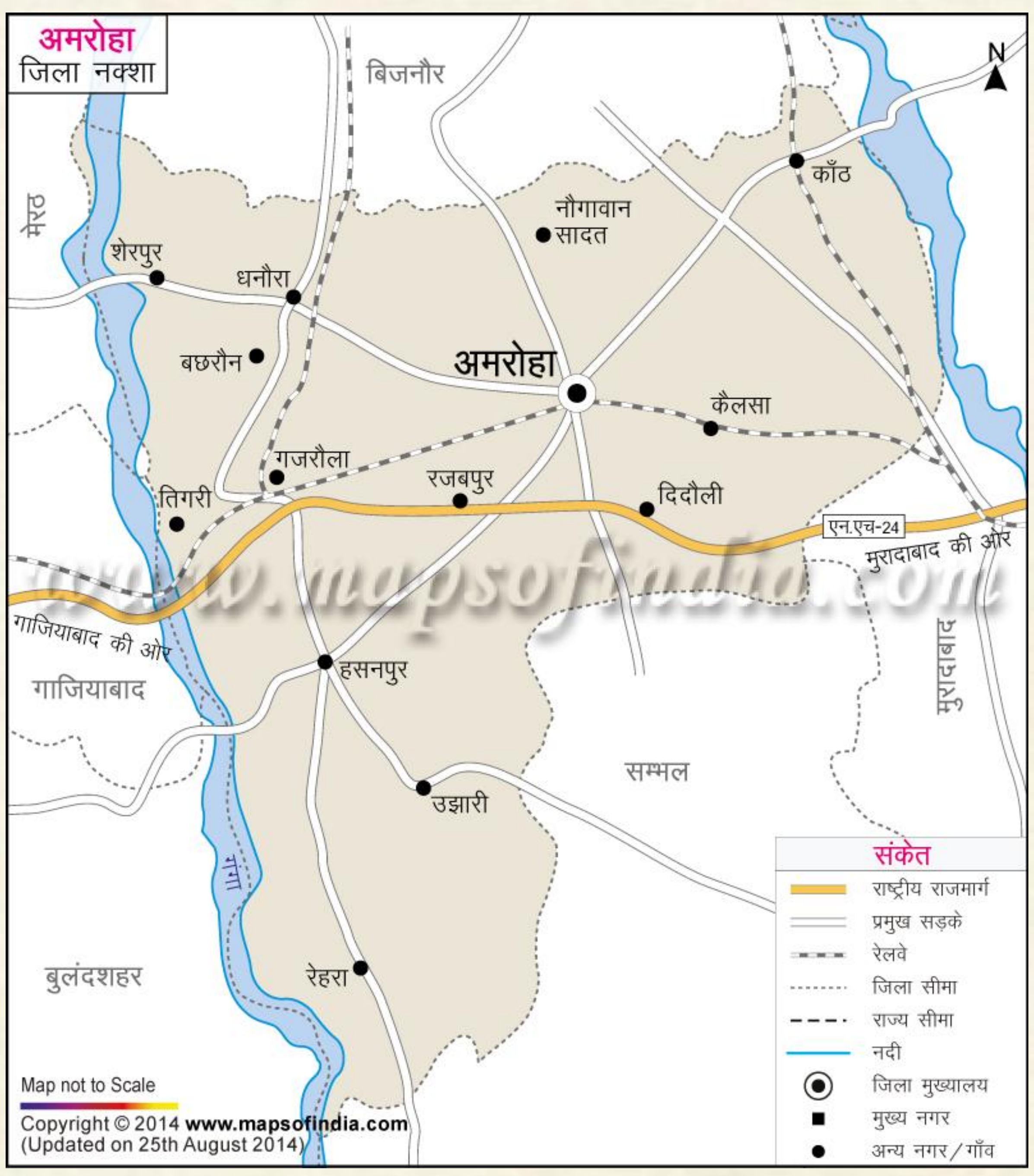

संभल (Sambhal)

- **इतिहास व गठन:** गंगा नदी के तट पर अवस्थित संभल जनपद (पूर्व नाम भीम नगर) की स्थापना 28 सितंबर, 2011 को मुरादाबाद एवं बदायूँ जनपद के कुछ हिस्से को अलग कर किया गया था। संभल जनपद का मुख्यालय 'बहजोई नगर' है।

- **पौराणिक महत्व:** पुराणों में संभल जनपद को विष्णु के अगले अवतार 'कल्कि' के जन्म स्थान के रूप में उल्लेख किया गया है। इस जनपद में प्रत्येक वर्ष 'कल्कि महोत्सव' का आयोजन किया जाता है।

- **ऐतिहासिक स्थल:** इस जनपद में मुगल संस्थापक बाबर द्वारा बनाई गई 'पहली बाबरी मस्जिद' स्थित है।

- **दार्शनिक स्थल:** माँ केला देवी मंदिर, श्री कल्कि विष्णु मंदिर, तोता मैना की कब्र, मनोकामना मंदिर, घंटाघर एवं जामा मस्जिद।

- **उद्योग:** रासायनिक उद्योग, मेंथा तेल उद्योग, चीनी मिल। संभल में निर्मित होने वाले 'हॉर्न-बोन उत्पाद' (सींग-हड्डी उत्पाद) राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रख्यात है।

- **संस्थान व करंट अफेयर्स:** * देश का एक मात्र 'रेलवे ट्रेनिंग कालेज' उत्तर प्रदेश के संभल जनपद के चंदौसी तहसील में स्थित है।

    - उ. प्र. सरकार ने संभल जनपद में 'एक नया औद्योगिक पार्क' स्थापित करने की घोषणा की है।

    - 19 फरवरी, 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संभल जनपद में विष्णु के 10वें (अंतिम) अवतार 'श्री कल्कि धाम' का शिलान्यास किया। 5 एकड़ में फैले इस मंदिर परिसर में भगवान विष्णु के 10 अलग-अलग अवतारों के 10 गर्भ गृह स्थापित किए जाएंगे तथा इस मंदिर के शिखर की ऊँचाई 108 फीट होगी।

- **भौगोलिक तथ्य:** ISFR-2023 के अनुसार संभल उत्तर प्रदेश का न्यूनतम वनावरण प्रतिशत (0.50%) वाला जनपद है।

11. बरेली मण्डल (Bareilly Division)

- बरेली मंडल उत्तर प्रदेश के 18 प्रशासनिक मंडलों में एक प्रमुख संभाग है, जिसके अंतर्गत कुल चार जनपद शामिल हैं: बरेली, बदायूँ, शाहजहांपुर एवं पीलीभीत ।

बरेली (Bareilly)

- **इतिहास व उपनाम:** रामगंगा नदी तट पर अवस्थित बरेली को 'सुरमा नगरी' एवं 'बांस-बरेली' भी कहा जाता है । इस जनपद के रामनगर गाँव में स्थित 'अहिच्छत्र' छठी शताब्दी ईसा पूर्व में उत्तरी पांचाल महाजनपद की राजधानी थी ।

- **व्यापार व उद्योग:** यह क्षेत्र मुख्य रूप से दियासलाई (माचिस), फर्नीचर निर्माण, कपास, अनाज एवं चीनी का प्रमुख व्यापारिक केन्द्र है । यहाँ लकड़ी के फर्नीचर, दियासलाई, कत्था उद्योग, दरी निर्माण, सुरमा उद्योग, बांस-उद्योग एवं बेत की छड़ी के उद्योग हैं ।

- **पर्यटन स्थल:** आला हजरत दरगाह, कारगिल चौक, आनंद आश्रम, रानी लक्ष्मी बाई चौक, अहिच्छत्र मंदिर, पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, लक्ष्मी नारायण मंदिर, दरगाह ताजुश्शरिया बरेली शरीफ दरगाह एवं खान बहादुर खान मजार ।

- **शैक्षणिक केन्द्र:** महात्मा ज्योतिबा फूले रुहेलखंड विश्वविद्यालय (1975), इंडियन वेटेरिनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट इज्जतनगर (डीम्ड वि.वि.), बरेली अंतर्राष्ट्रीय निजी विश्वविद्यालय (2016), इनवर्टिस वि.वि. (2010), और निजी क्षेत्र का फ्यूचर विश्वविद्यालय (प्रस्तावित) ।

- **संस्थान, पार्क एवं संग्रहालय:** पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (इज्जतनगर), केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान (इज्जतनगर), सेन्ट्रल यू.पी. चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, नेशनल रिसर्च सेंटर मीट (इज्जतनगर), उर्वरक कारखाना (आंवला), साफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (प्रस्तावित), मेगा फूड पार्क (बहेडी), अबाई स्मारक पांचाल संग्रहालय एवं पांचाल इतिहास परिषद संग्रहालय ।

- **कारागार:** किशोर सदन, केन्द्रीय कारागार (1848) ।
- **मेला व झील:** चौबारी मेला, उत्तरायणी मेला (मकर संक्रांति पर), दशहरा मेला एवं नरयावली मेला । बरेली में ही प्रसिद्ध 'लीलौर झील' स्थित है ।
- **पत्र-पत्रिकाएँ:** मासिक कथा साहित्य 'नवोदय' तथा गुलाब शंकर के संपादन में 'तत्वबोधिनी' (1865) पत्र का प्रकाशन बरेली से होता है ।
- **विशेष तथ्य व करंट अफेयर्स:**
- उत्तर प्रदेश में बरेली जनपद के भरतौल गांव में पहला 'अन्नपूर्णा स्टोर' खोला जाएगा ।
- उत्तर प्रदेश सरकार ने काशी विश्वनाथ की तर्ज पर बरेली जनपद में 'नाथ कॉरिडोर' बनाए जाने का प्रस्ताव पारित किया है ।
- उत्तर प्रदेश के बरेली जनपद में कुत्तों पर शोध के लिए देश का पहला 'कैनाइन सेंटर' बनाया जाएगा ।

बदायूँ (Budaun)

- इतिहास: गंगा नदी के तट पर स्थित बदायूँ प्राचीनकाल में पांचाल महाजनपद का हिस्सा था । प्रो. गोटी जान के अनुसार एक प्राचीन शिलालेख में इस शहर का नाम 'वेदामूथ' मिलता है ।

- सुल्तान इल्तुतमिश के शासनकाल के दौरान 'बदायूँ' दिल्ली सल्तनत की राजधानी थी ।

- व्यक्तित्व व महत्व: यह महान सूफी संतों, औलिया, वली और पीर की पवित्र भूमि होने के साथ-साथ इजारत का स्थान भी है । इतिहासकार अब्दुल कादिर बदायूँनी, संगीतकार शकील बदायूँनी ... संत शेख निजामुद्दीन औलि... बदायूँ रहा है ।

- पर्यटन स्थल: गौरी शंकर म... मंदिर, परवर बानो का मक...बरा (मुमताज महल की बहन), कछला गंगा घाट, बाबा कालसेन

JEET RANA

शाहजहाँपुर (Shahjahanpur)

- **इतिहास व नदियाँ:** रामगंगा एवं गोमती नदी के तट पर स्थित शाहजहाँपुर का गठन 1813 ई. में बरेली जिले को विभाजित कर किया गया था। इस जनपद में गंगा नदी के तट पर स्थित 'बांसखेड़ा' से सम्राट हर्षवर्धन का ताम्रपत्र लेख प्राप्त हुआ है।
- **व्यक्तित्व व उपनाम:** यह जनपद पं. राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह एवं अशफाक उल्ला खाँ जैसे वीर क्रांतिकारियों की जन्मस्थली है। इस जनपद को 'शहीदों की नगरी' की संज्ञा दी जाती है।
- **पर्यटन व स्मारक:** राम-प्रसाद बिस्मिल व रोशन सिंह स्मारक, बांस-खेडा, अशफाक उल्ला खाँ की मजार, हनुमंत धाम, काली बाड़ी मंदिर, वनखण्डीनाथ, निजाम शाह दरगाह, श्री रामचंद्र मिशन एवं शहीद उद्यान।
- **संस्थान व उद्योग:** उत्तर प्रदेश गन्ना अनुसंधान परिषद, शहीद संग्रहालय (2022)। शाहजहाँपुर में मुख्य रूप से 'दरी निर्माण' का कार्य किया जाता है। शाहजहाँपुर जिला उत्तर

12. प्रयागराज मण्डल (Prayagraj Division)

- प्रयागराज मंडल का प्रदेश में ऐतिहासिक एवं पौराणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान है । यह मंडल काशी, अयोध्या तथा तीर्थराज प्रयाग के त्रिकोण का पुरातन केन्द्र है ।

- इस मंडल के अंतर्गत 4 जनपद शामिल हैं: प्रयागराज, कौशाम्बी, फतेहपुर एवं प्रतापगढ़ ।

प्रयागराज (Prayagraj)

- **इतिहास व नाम:** गंगा, यमुना एवं अदृश्य सरस्वती (त्रिवेणी) नदियों के संगम पर स्थित तीर्थराज प्रयागराज उत्तर प्रदेश की 'न्यायिक राजधानी' है । मुगल सम्राट अकबर ने 1574 ई. में प्रयाग का नया नाम 'इलाहाबाद' रखा था । वर्ष 2018 ई. में इसे परिवर्तित कर पुनः प्रयागराज कर दिया गया । सम्राट हर्षवर्द्धन प्रयागराज में ही प्रत्येक पाँचवें वर्ष 'महामोक्ष परिषद' का आयोजन करता था ।

- **उपनाम:** संगम नगरी, कुंभ नगरी, तीर्थराज, अमरुद नगरी, और ईश्वर का निवास स्थान ।

- **मेला/महोत्सव:** प्रत्येक 12वें वर्ष 'महाकुंभ', 6 वर्ष पर 'कुंभ' मेला तथा महाकुंभ व कुंभ के इतर वर्षों में 'माघ मेला' का आयोजन होता है । इसके अलावा गंगा महोत्सव, त्रिवेणी महोत्सव और शिल्प मेला भी लगता है ।

- **दर्शनीय स्थल:** इलाहाबाद किला, मिंटो पार्क, श्रृंगवेरपुर, ऑल सेंट कैथेड्रल (पत्थर गिरजाघर), उल्टा किला (समुद्रकूप), चंद्रशेखर आजाद पार्क, भारद्वाज मुनि आश्रम, प्राचीन अक्षयवट, वेणी माधव मंदिर, नागवासुकी मंदिर, त्रिवेणी (संगम), शंकर विमान मंडपम, राष्ट्रीय संग्रहालय, खुशरोबाग, आनंद भवन और "फांसी इमली शहीद स्थल" ।

- **शैक्षणिक संस्थान:** इलाहाबाद (केन्द्रीय: 2005) वि.वि. (1887), सैम हिगिनबाटम युनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एवं साइंसेज (1910), प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) वि.वि. (2016), उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त वि.वि. (1999), डॉ. राजेन्द्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि वि.वि. (2024), नेहरू ग्राम भारती डीम्ड वि.वि. (2008), युनाइटेड (निजी) वि.वि. (2021) और मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज । वर्ष 1887 में स्थापित 'इलाहाबाद विश्वविद्यालय' उत्तर प्रदेश का सबसे पुराना विश्वविद्यालय है ।

- **वैज्ञानिक व तकनीकी संस्थान:** मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNNIT), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT), जी.बी. पंत सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान (झूसी), नॉदर्न रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, हरिश्चंद्र अनुसंधान संस्थान, मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ मैथ एंड फिजिक्स, शीलाधर मृदा संस्थान, केन्द्रीय अंतस्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान एवं अमरूद अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र ।

- **पार्क, सिटी व अन्य संस्थान:** साफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क, सोलर सिटी, सूचना प्रौद्योगिकी पार्क (प्रस्तावित), इको नॉलेज पार्क (खुशरोबाग), नेहरु पार्क, हाथी पार्क, अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, खेल गांव, राजकीय मुद्रणालय, उ.प्र. लोक सेवा आयोग, सरस्वती हाइटेक सिटी, उ.म. रेलवे का मुख्यालय एवं केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन का मुख्यालय, और जवाहर तारामंडल (आनंद भवन) ।

- **भाषा एवं साहित्य केन्द्र:** राज्य पाण्डुलिपि पुस्तकालय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन (1910), हिन्दुस्तानी अकादमी (1927), इलाहाबाद संग्रहालय, प्रयाग संगीत समिति, भारती भवन पुस्तकालय, उ.म. क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, और निराला आर्ट गैलरी ।

- **औद्योगिक इकाई:** उर्वरक कारखाना (फूलपुर), त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लिमिटेड, भारत पंप एवं कंप्रेसर्स लिमिटेड, वैद्यनाथ आयुर्वेदिक औषधि फार्म, आई.टी.आई., सिलिका सैण्ड कारखाना, दुग्ध सहकारी समिति (प्रदेश में प्रथम) एवं नैनी एयरो स्पेस लिमिटेड ।

- **जनसांख्यिकी व राजनीति:** प्रयागराज जनपद उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक जनसंख्या वाला एवं सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या वाला जनपद है । उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक विधान सभा सदस्य वाला जिला प्रयागराज (12) है ।

- **व्यक्तित्व (जन्मस्थली):** पं. जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, वी.पी. सिंह (पूर्व प्रधानमंत्री), पुरुषोत्तम दास टंडन, हरिवंश राय बच्चन, मोती लाल नेहरू, पं. मदन मोहन मालवीय, रामानंदाचार्य जी महाराज एवं मेजर ध्यानचंद्र (हाकी के जादूगर) ।

- **विशेष तथ्य व करंट अफेयर्स:**
    - उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा से संचालित होने वाला पहला हवाई अड्डा 'प्रयागराज हवाई अड्डा' (बमरौली) है ।
    - 16 फरवरी, 2024 को प्रयागराज में सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी. वाई चन्द्रचूड़ द्वारा 'डॉ राजेन्द्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय' (उ.प्र. का दूसरा) का लोकार्पण किया गया ।
    - उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जनपद में 'प्रथम ऊर्जा शिक्षा पार्क' स्थापित किया जाएगा ।
- **परियोजनाएं एवं घोषणाएं:**
    - प्रयागराज जनपद में 'ह्वाइट टाइगर सफारी' की स्थापना करने की घोषणा की गई है ।
    - 2017 में स्थापित चाँद खम्हरिया कृष्ण मृग आरक्षित वन क्षेत्र (126.12 वर्ग किमी) को प्रयागराज के मेजा में स्थापित किया गया है ।
- **करंट अफेयर्स:**
    - 16-18 फरवरी, 2025 को प्रयागराज महाकुंभ में 'अंतर्राष्ट्रीय पक्षी महोत्सव, 2025' का आयोजन किया गया ।
    - प्रयागराज महाकुंभ के दौरान फरवरी में ही 'जनजाति सांस्कृतिक समागम, 2025' का भी आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 15000 से अधिक आदिवासियों ने भाग लिया ।

कौशाम्बी (Kaushambi)

- **इतिहास व महत्वः** यमुना नदी के बाएँ तट पर स्थित कौशाम्बी (कोसम-गांव) छठी शताब्दी ईसा पूर्व में 'वत्स महाजनपद' की राजधानी थी। यह जनपद छठें जैन तीर्थकर पद्मप्रभु की जन्मस्थली है तथा इसी जनपद में महात्मा बुद्ध ने अपना नौवां वर्षा ऋतु व्यतीत किया था। कौशांबी को 'आद्य नगरीय स्थल' भी कहा जाता है।

- **गठनः** कौशाम्बी जनपद की स्थापना 4 अप्रैल 1997 को तत्कालीन इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज) जनपद से अलग कर किया गया था। इस जनपद का मुख्याल

- **पर्यटन स्थलः** माँ शीतल
पभोसा जैन मंदिर, उदयन
कुक्कुटा राम विहार, घो
अवशेष, ख्वाजा कड़क
मलूक दास का आश्रम ए

फतेहपुर (Fatehpur)

- **इतिहास व स्थिति:** गंगा एवं यमुना नदियों के दोआब में स्थित 'फतेहपुर' प्राचीन काल में 'वत्स महाजनपद' का भाग था।
- **गठन:** इस जनपद की स्थापना 31 अगस्त, 1826 को इलाहाबाद एवं कानपुर जनपद के कुछ भाग को अलग कर किया गया था।

- **पौराणिक महत्व:** इस जनपद के कई स्थानों यथा: भिटौरा (भृगु ऋषि की तपस्थली), असोथर (अश्वत्थामा की नगरी) एवं असनि घाट का उल्लेख पुराणों में किया गया है।

- **दर्शनीय स्थल:** ओम घाट (भिटौरा), बावन इमली (शहीद स्थल), आदमपुर घाट, मोटे महादेव मंदिर, बिन्दकी एवं शिवराजपुर व खजुहा (औरंगजेब एवं शाहशुजा के मध्य युद्ध यहीं पर हुआ था)।
- **विशेष तथ्य व करंट अफेयर्स:**
    - फतेहपुर जनपद के सरैला गांव में उत्तर प्रदेश के पहले 'रेल पार्क' का निर्माण लगभग 254 एकड़ में किया जा रहा है।

    - फतेहपुर में मोराई ताल एवं ठिठौरा झील स्थित है।

    - उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक अरहर उत्पादक जिला फतेहपुर है।

प्रतापगढ़ (Pratapgarh)

- **इतिहास व स्थिति:** सई और गंगा नदियों के तट स्थित प्रतापगढ़ का नामकरण स्थानीय राजा 'प्रताप सिंह' के नाम पर किया गया है। इस जनपद का गठन 1858 में किया गया तथा मुख्यालय 'बेल्हा प्रतापगढ़' बनाया गया।

- **पुरातात्विक महत्व:** मध्य पाषाण कालीन पुरास्थल 'सराय नाहर राय' एवं 'महदहा' इसी जनपद में स्थित हैं।

- **पर्यटन स्थल:** शनिदेव मंदिर, बेल्हा देवी मंदिर, बारडीह, कालाकांकर, भक्ति धाम मंदिर (मनगढ़), घुस्मेश्वरनाथ धाम, बाबा भयहरण नाथ धाम एवं माँ बाराही देवी मंदिर। प्रतापगढ़ जनपद में 'डॉ भीमराव अम्बेडकर पक्षी विहार' (2003) प्रमुख पर्यटन स्थल है।

- **उद्योग व कृषि:** प्रतापगढ़ जनपद में आँवला उत्पाद से संबंधित अनेक खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित हैं, जिनमें आंवला से मुरब्बा, बर्फी, आचार, जूस इत्यादि तैयार किए जाते हैं। यह जनपद उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक 'आंवला उत्पादक' जिला है।

- **झील व जल:** प्रमुख झीलें बेंती, अजगरा व नइया झील हैं। प्रतापगढ़ जनपद अपनी भूमिगत जल क्षमता का सर्वाधिक दोहन करने वाला जनपद है।

13. चित्रकूट मण्डल (Chitrakoot Division)

- 'चित्रकूट मंडल' उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थित एक प्रमुख प्रशासनिक संभाग है, जिसकी स्थापना 21 नवंबर, 1997 को की गयी थी । इससे पूर्व यह झाँसी मंडल का भाग था ।
- इस मंडल के अंतर्गत कुल 4 जनपद शामिल हैं: चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर एवं महोबा ।

चित्रकूट (Chitrakoot)

- **इतिहास व स्थिति:** मन्दाकिनी (पयस्वनी) नदी के तट पर एवं विंध्याचल पर्वत (विन्ध्य) के उत्तरार्द्ध में अवस्थित चित्रकूट जिला (पूर्व नाम 'छत्रपति शाहू जी महाराज नगर') भारत के सबसे प्राचीन व पवित्र तीर्थ स्थानों में से एक है ।

- **गठन:** इस जनपद का गठन 6 मई, 1997 को बाँदा जनपद से अलग कर किया गया था । चित्रकूट जनपद का मुख्यालय 'चित्रकूट धाम (कर्वी)' है ।

- **पौराणिक महत्व:** त्रेता युग में वनवास के दौरान भगवान श्री रामचन्द्र जी अपनी पत्नी सीता जी एवं अनुज लक्ष्मण के साथ चित्रकूट में लगभग ग्यारह वर्ष निवास किए थे ।

- **दर्शनीय स्थल:** कामदगिरि पर्वत (परिक्रमा), रामघाट, कामतानाथ मंदिर, गणेश बाग (मिनी खजुराहो), हनुमान धारा, गुप्त गोदावरी, सती अनुसूया आश्रम, भरत कूप, स्फटिक शिला, जानकी कुण्ड, वाल्मीकि एवं महर्षि अत्रि का आश्रम व शबरी जल प्रपात ।

- **व्यक्तित्व:** चित्रकूट जनपद के राजापुर ग्राम में तुलसी दास जी का जन्म हुआ था। यहाँ उनकी स्मृति में 'तुलसी मंदिर' (तुलसी स्मारक) स्थापित है ।

- **करंट अफेयर्स व विकास:**
  - उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा के 6 नोड्स (केन्द्र) में चित्रकूट जनपद भी शामिल है ।
  - चित्रकूट जनपद में स्थित 'शबरी जल प्रपात' (तुलसीपुर) पर उत्तर प्रदेश का पहला 'ग्लास स्काई वाक' निर्माणाधीन है ।
  - चित्रकूट जिले में स्थित 'रानीपुर वन्य जीव विहार' (1977) को अक्टूबर 2022 में 'टाइगर रिजर्व' की मान्यता प्रदान की गई है ।
  - वर्ष 2001 में स्थापित 'जगद्गुरु राम भद्राचार्य विकलांग वि.वि.' भारत/उ.प्र. का पहला विकलांग वि.वि. था, जिसे वर्ष 2023 में राज्य विश्वविद्यालय की मान्यता प्रदान की गई है ।

- **मेला:** इस जनपद में प्रतिवर्ष 'रामायण मेले' का आयोजन किया जाता है ।

बाँदा (Banda)

- **स्थिति व महत्व:** केन नदी के तट पर स्थित बाँदा बुंदेलखंड क्षेत्र का प्रमुख जनपद है, जो चित्रकूट मंडल का मुख्यालय भी है । बाँदा 'महर्षि बामदेव' की तपोभूमि है ।

- **शिल्प:** केन नदी में पाया जाने वाला 'शजर पत्थर' विश्व में ख्याति प्राप्त है, जिसे हाल ही में GI टैग प्रदान किया गया है ।

- **पर्यटन स्थल:** कलिंजर दुर्ग, नीलकंठ मंदिर, भूरागढ़ किला, बामदेव मंदिर, नवाब टैंक एवं महेश्वरी देवी मंदिर ।

- **शैक्षणिक संस्थान:** बांदा कृ
वि.वि. (2010), रानी दुर्गावत
कॉलेज ।

- **मेला व कृषि:** बादाँ जनपद मे
कार्तिक पूर्णिमा के अवसर प
'कालिंजर मेला' (कतिकी मेला) का अयोजन

हमीरपुर (Hamirpur)

- **इतिहास व स्थिति:** यमुना और बेतवा नदी के संगम पर स्थित हमीरपुर की स्थापना कलचुरी वंश के शासक 'हमीरदेव' ने की थी । महाभारत काल में यह शिशुपाल की राजधानी थी, जिसका वध भगवान कृष्ण ने किया था ।

- **कृषि:** यह क्षेत्र मुख्य रूप से कपास एवं सुपारी के लिए जाना जाता है । 'हमीरपुर जनपद' उत्तर प्रदेश में 'जैविक खेती हेतु मॉडल' के रूप में चयनित किया गया है ।

- **दर्शनीय स्थल:** श्री सिद्ध
सिटी फारेस्ट, कल्पवृक्ष
मंदिर, सिसोलर के मंदि
करियारी का मठ, यमुन
का आश्रम, मौदहा बाँध

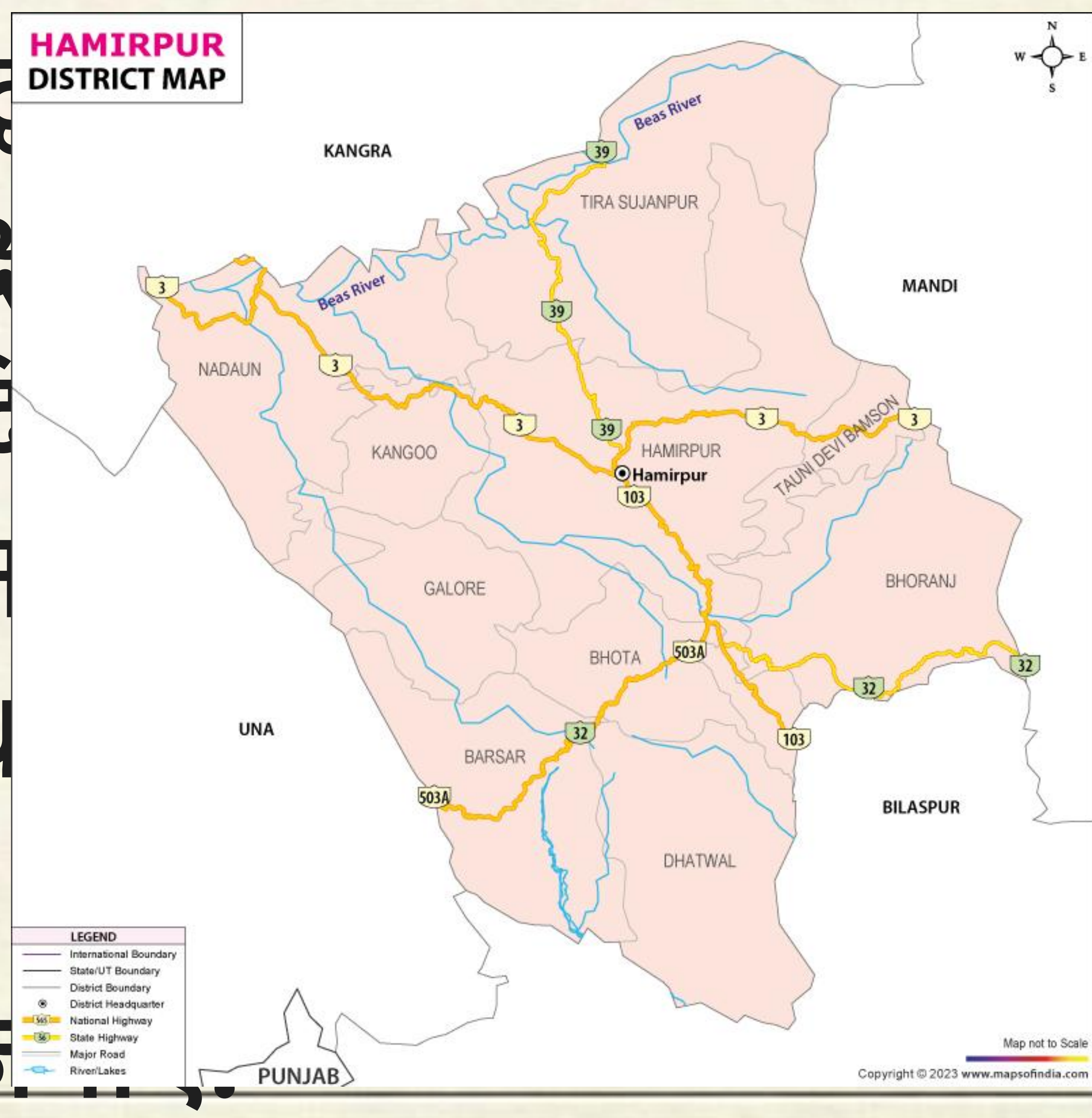

- **विशेष तथ्य व परियोज**

महोबा (Mahoba)

- **इतिहास व उपनाम:** चंदेल राजपूतों ने 831 ई. में महोबा को अपनी राजधानी बनाया था । यह क्षेत्र चंदेल शासक परमर्दिदेव (परमाल) के दो पराक्रमी सेनापति आल्हा एवं ऊदल की कर्मस्थली रहा है । महोबा को 'महोत्सव नगर' व 'त्यौहारों का शहर' भी कहा जाता है ।

- **गठन:** महोबा जनपद की स्थापना 11 फरवरी, 1995 को हमीरपुर जनपद से अलग कर किया गया था ।

- **कृषि व GI टैग:** यह पान की खेती के लिए विख्यात है । पान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र यहाँ स्थित है । हाल ही में 'महोबा पान' को GI टैग प्रदान किया गया है ।

- **दर्शनीय स्थल:** रहेलिया का सूर्य मंदिर, मकरबई मंदिर, शिव तांडव मंदिर, ककरामठ मंदिर, कीरत ताल, आल्हा ऊदल चौक, उर्मिल डैम, गोरख पहाड़ी पर 24 जैन तीर्थंकर की प्रतिमाएँ, चंदेल कालीन स्मारक एवं बड़ी चंडिका देवी मंदिर । 'विजय सागर पक्षी विहार' (1990) यहाँ स्थित है ।

- **जनसांख्यिकी:** यह उत्तर प्रदेश का 'न्यूनतम जनसंख्या वाला' जिला है ।

- **सिंचाई व झीलें:** अर्जुन बांध (अर्जुन नदी), सलारपुर बांध (बरनाला एवं करपटिया नदी) एवं कबरई बांध (चंद्रावलि नदी) से नहरें निकाल कर सिंचाई की जाती है । प्रमुख झील/तालाब: मझगवाँ झील, बीजानगर ताल, बेलताल, रतन सागर, कल्याण सागर, मदन सागर, रहिलिया तालाब, दिंसरापुर तालाब, विजय सागर एवं कीर्तिसागर ।

- **मेला/महोत्सव:** कजली मेला, चरखारी का गोवर्धन नाथ जू मेला ।

14. मिर्जापुर मण्डल (Mirzapur Division)

- उत्तर प्रदेश के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित मिर्जापुर मंडल (विंन्ध्य मंडल) की स्थापना 14 जून, 1997 को हुई थी।

- इस मंडल के अंतर्गत 3 जनपद शामिल हैं: मिर्जापुर, सोनभद्र, भदोही।

- प्राकृतिक एवं आर्थिक पृष्ठभूमि से यह मंडल अत्यधिक संपन्न है। इसका मुख्यालय 'मिर्जापुर शहर' है।

मिर्जापुर (Mirzapur)

- **तीर्थ व पर्यटन:** गंगा नदी के दाहिने तट पर स्थित मिर्जापुर जनपद शक्तिपीठ माँ विंध्यवासिनी धाम, अष्टभुजा देवी एवं कालीखोह के पवित्र मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है।

- **दर्शनीय स्थल:** चुनार किला (चरणाद्रिगढ़ या नैनागढ़), विन्डमफाल, टांडा फाल, सिरसी जलाशय, कुसेहरा फाल, लखनियांदरी, जिर्गो जलाशय, महाकाली मंदिर, महात्रिकोण, विट्ठलनाथ की गद्दी (चुनार) एवं भर्तृहरि ।

- **उद्योग व मेला:** कालीन निर्माण एवं पीतल के बर्तनों पर कलई उद्योगों के लिए जाना जाता है । कुटीर उद्योग में गलीचा एवं दरी निर्माण उद्योग, ऊनी वस्त्र उद्योग हैं। 'विंध्याचल देवी मेला' (नवरात्र), विंध्य महोत्सव एवं 'कजरी महोत्सव' का आयोजन होता है।

- **ऊर्जा व पार्क:** फ्रांस के सहयोग से एक वृहद 'सौर ऊर्जा संयंत्र' वर्ष 2018 में स्थापित किया गया है। बेदौली नामक स्थान पर 'मेगा फूड पार्क' स्थापित किया गया है।

- **शैक्षणिक व संग्रहालय:** मड़िहान तहसील में 'माँ विंध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय' का निर्माण किया जा रहा है। मड़िहान में ही एक 'जनजातीय संग्रहालय' की स्थापना की जाएगी।

- **बांध व परियोजना:** जिर्गो बाँध (जिर्गो नदी), अहरौरा बाँध (गराई नदी), अधवा बाँध (अधवा नदी) एवं सिरसी बाँध (बखेर नदी) स्थित हैं। बेलन नदी पर 'मेजा बाँध' स्थित है।

- **खनिज:** कैल्साइट, सैंडस्टोन, संगमरमर एवं फायर क्ले जैसे खनिज पदार्थ पाए जाते हैं।

- **वन्य जीव:** मिर्जापुर एवं सोनभद्र के संयुक्त क्षेत्र में उ. प्र. का सबसे बड़ा वन्य जीव विहार 'कैमूर वन्य जीव विहार' (1982) स्थित है।

सोनभद्र (Sonbhadra)

- **स्थिति व सीमा:** 'सोनभद्र' भारत का एकमात्र ऐसा जनपद है, जिसकी सीमा चार राज्यों (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड एवं बिहार) से लगती है । यह उत्तर प्रदेश का सबसे दक्षिणी जिला है ।
- **गठन व उपनाम:** इसका क्षेत्रफल 6788 वर्ग किमी है, जो इसे उत्तर प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा जिला बनाता है । इसे भारत की 'ऊर्जा राजधानी' कहा जाता है । सोनभद्र जनपद की स्थापना 4 मार्च, 1989 को मिर्जापुर से अलग करके की गयी थी । इसका मुख्यालय 'राबर्ट्सगंज' है ।

- **दर्शनीय स्थल:** रेणुकेश्वर महादेव, सलखान जीवाश्म पार्क, रिहंद बाँध (गोविन्द बल्लभ पंत सागर : पिपरी), विजयगढ़ दुर्ग, मुखा फाल (बेलन नदी), राजा नल का टीला, शक्तिनगर, रेणूकूट, माहुर्या कैमर, शिव द्वार, पंचमुखी महादेव, अमिला भवानी धाम, कुंड वासिनी धाम (कुदी देवी) एवं ज्वालामुखी शक्तिपीठ ।

भदोही (Bhadohi)

- **इतिहास व नाम:** 'कारपेट सिटी' के नाम से प्रसिद्ध भदोही जनपद (संत रविदास नगर) का गठन 30 जून, 1994 को वाराणसी के कुछ हिस्से को अलग कर उत्तर प्रदेश के 65वें जिले के रूप में किया गया था। इस जनपद का मुख्यालय 'ज्ञानपुर' है।

- **विशेषता व उद्योग:** गंगा नदी भदोही के मैदानी क्षेत्रों में प्रवाहित होती है। यह जनपद उत्कृष्ट डिजाइन के कालीनों के निर्माण एवं निर्यात के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। 'भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान' (IICT) और भदोही औद्योगिक विकास प्राधिकरण (BIDA) यहाँ हैं।

- **दर्शनीय स्थल:** सीता समा
हरिहर नाथ, तीलेश्वर नाथ
।

विशेष तथ्य व करंट अफेयर्स:

15. आजमगढ़ मण्डल (Azamgarh Division)

- 'आजमगढ़ मंडल' उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में स्थित एक प्रमुख प्रशासनिक संभाग है। इसकी स्थापना 15 नवंबर, 1994 को गोरखपुर मंडल से अलग कर 14वें मंडल के रूप में की गई थी, जिसका मुख्यालय 'आजमगढ़' है।
- इस मंडल में 3 जिले शामिल हैं: आजमगढ़, मऊ एवं बलिया।

आजमगढ़ (Azamgarh)

- इतिहास व स्थिति: तमसा नदी के तट पर अवस्थित आजमगढ़ (कैफी आजमी नगर) प्राचीन काल में 'कोशल महाजनपद' का हिस्सा था। इसकी स्थापना 1665 ई. में मुगल शासनकाल में राजा विक्रमजीत के पुत्र 'आजम खाँ' ने की थी। गौतम राजपूतों के वंशज विक्रमजीत ने मुस्लिम धर्म अपना लिया था।

- दर्शनीय स्थल: चंद्रमा ऋषि आश्रम, भंवर नाथ मंदिर, ऋषि दत्तात्रेय का मंदिर, शिबली एकेडमी, माँ पल्मेश्वरी देवी मंदिर, दौलत इब्राहिम खाँ का मकबरा, चरण पादुका गुरूद्वारा, अवन्तिकापुरी धाम, भैरव बाबा स्थल, दुर्वासा ऋषि स्थल, पल्हना देवी मंदिर एवं बिरला बुद्ध मंदिर ।

- संस्थान व उद्योग: महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय (28 अप्रैल, 2021), हरिहरपुर संगीत महाविद्यालय (निर्माणाधीन)। हथकरघा एवं सूती वस्त्र (मुबारकपुर), ब्लैक पॉटरी उद्योग।

- कृषि: आजमगढ़ जनपद में 'चावल का सर्वाधिक क्षेत्रफल' पाया जाता है।

मऊ (Mau)

- इतिहास व गठन: तमसा नदी (टोंस) के तट पर स्थित मऊ शहर (मऊ नाथ भंजन) की स्थापना मुगल शासन काल के दौरान 1629 ई. में शाहजहाँ की पुत्री जहाँआरा ने की थी। मऊ जनपद का गठन 19 नवंबर, 1988 को आजमगढ़ जनपद से अलग कर किया गया था।

- पर्यटन व ऐतिहासिक स्थल: मुक्ति धाम (दोहरीघाट), रोज गार्डन, वन देवी मंदिर, बेलवरी घाटी, फंटासिया वाटर पार्क एवं रिजार्ट, मीर बाबा धाम एवं शहीद स्मारक।

- संस्थान व उद्योग: भारतीय बीज विज्ञान संस्थान (कुशमौर), नवचेतना ग्रामीण विकास एवं कल्याण संस्थान, रामकृष्ण मिशन शिक्षा मंदिर। हथकरघा एवं पावरलूम उद्योग।

बलिया (Ballia)

- **इतिहास व स्थिति:** गंगा एवं घाघरा नदियों के मध्य स्थित 'बलिया' उत्तर प्रदेश का सबसे पूर्वी 'जिला' है । कुछ विद्वानों के अनुसार महर्षि वाल्मीकि की जन्मस्थली होने के कारण यह क्षेत्र 'बलिया' कहलाया ।

- **गठन:** बलिया जिले की स्थापना '1 नवंबर, 1879' को (ब्रिटिश काल में) गाजीपुर जनपद से अलग कर की गई थी । इसकी सीमा बिहार राज्य के सिवान, सारण, भोजपुर एवं बक्सर जिलों से लगती है ।

- **भौगोलिक तथ्य:** बलिया जिले की सबसे पूर्वी सीमा पर स्थित 'सिताब दियारा' में घाघरा नदी का संगम गंगा नदी से होता है ।

- **दर्शनीय स्थल:** भृगु मंदिर, कामेश्वर धाम, बालेश्वर ।

- **पर्यटन व दर्शनीय स्थल:** यहाँ के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में घाट, माँ वनखंडी देवी शक्तिपीठ, महिला तालाब, रामपुरा महल, श्रीबाल व्यास मंदिर (कालपी) और जगम्मनपुर किला शामिल हैं ।

- **प्रमुख उद्योग:** यहाँ का प्रमुख उद्योग हस्तनिर्मित कागज विनिर्माण (हाथ से कागज बनाने का उद्योग) और साबुन उद्योग है ।

- **विशेष तथ्य:** हाल ही में जालौन जनपद का 'रगौली गांव' उत्तर प्रदेश का पहला 'गरीबी मुक्त' गांव बन गया है ।

16. सहारनपुर मण्डल (Saharanpur Division)

- उत्तर प्रदेश के उत्तरी भाग में शिवालिक की पहाड़ियों पर स्थित 'सहारनपुर' को वर्ष 1997 में एक मंडल का दर्जा प्रदान किया गया था।
- इस मंडल के अंतर्गत कुल 3 जिले शामिल हैं: सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली।
- इस मंडल का मुख्यालय 'सहारनपुर' है।
- इस मंडल से संबंधित जिलों के महत्वपूर्ण और परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्यों का विवरण नीचे दिया गया है:

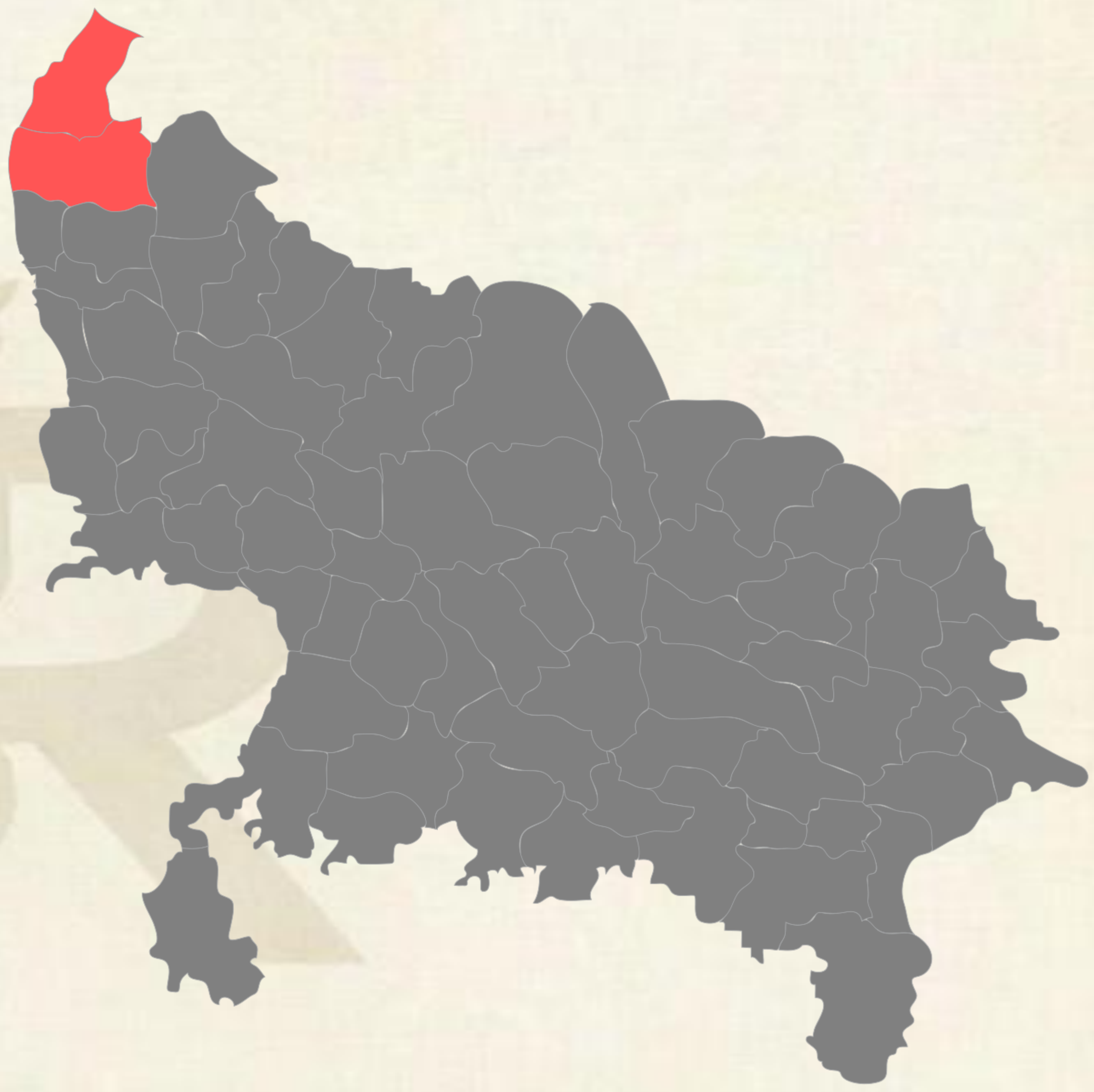

1. सहारनपुर (Saharanpur)

- इतिहास और स्थापना: गंगा और यमुना नदियों के दोआब क्षेत्र (दो नदियों के बीच की भूमि) पर स्थित 'सहारनपुर' की स्थापना 1340 ई. में 'शाह-हरुन-चिश्ती' के नाम पर की गई थी। इसे 'नक्काशी नगर' (City of Carving) भी कहा जाता है।
- भौगोलिक स्थिति: यह उत्तर प्रदेश का सबसे उत्तरी जिला है। इसकी सीमाएँ पूर्व में उत्तराखंड, पश्चिम में हरियाणा और उत्तर में हिमाचल प्रदेश को स्पर्श करती हैं।
- दारुल उलूम देवबंद: 30 मई, 1866 को हाजी आबिद हुसैन और मौलाना कासिम ननौत्वी द्वारा इसी जिले में प्रसिद्ध 'दारुल उलूम देवबंद' की नींव (आधारशिला) रखी गई थी।
- दर्शनीय स्थल: माँ शाकुम्भरी देवी मंदिर, नौगजापीर, दारुल उलूम देवबंद, माँ बाला सुंदरी देवी मंदिर, हुलास (एक पुरातात्विक स्थल) और बाबा भूरादेव मंदिर यहाँ के प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं।

2. मुजफ्फरनगर (Muzaffarnagar)

- **इतिहास और स्थापना:** पवित्र गंगा और यमुना नदियों के मध्य (बीच) स्थित 'मुजफ्फरनगर' की स्थापना 1633 ई. में शाहजहाँ के शासनकाल के दौरान मुगल सेनापति 'सैय्यद मुजफ्फर खान' ने की थी।

- **कृषि और अर्थव्यवस्था:** राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में स्थित मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश का सबसे अधिक कृषि GDP वाला जिला है। इसे 'भारत का चीनी बाउल' (Sugar Bowl of India / चीनी का कटोरा) कहा जाता है। इस जिले की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से गन्ना, कागज और इस्पात (स्टील) उद्योग पर आधारित है।

- **पर्यटन और धार्मिक स्थल:** श्री पंचमुखी महादेव मंदिर, शुक्रताल का प्राचीन शिव मंदिर, शुक्रतीर्थ (शुक्रताल), वहलना, अक्षयवट, गणेश धाम, शुक्रताल की नक्षत्र वाटिका, हनुमत धाम और बहु का मजार।

- **प्रमुख संस्थान:** इस जनपद में गन्ने के लिए 'ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला और गन्ना शोध केन्द्र' (गन्ना परिषद् के अधीन) स्थित है।

- **ऐतिहासिक स्थल:** इस जनपद में स्थित 'माण्डी गाँव' की पहचान एक हड़प्पाकालीन स्थल के रूप में की गई है।

- **मेला:** यहाँ प्रत्येक वर्ष अक्टूबर के महीने में गंगा नदी के तट पर दस दिनों तक चलने वाले 'शुक्रताल मेले' का आयोजन किया जाता है।

- **करंट अफेयर्स व अन्य तथ्य:**
  - उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति-2022 के तहत 'मुजफ्फरनगर' को एक 'सौर शहर' के रूप में विकसित किया जाएगा।
  - मुजफ्फरनगर जनपद के पुरकाजी ब्लॉक में स्थित 'तुगलकपुर-कम्हेड़ा गाँव' में उत्तर प्रदेश का पहला 'गौ अभ्यारण्य' (केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित) बनाया जा रहा है।

3. शामली (Shamli)

- **इतिहास और गठन:** गंगा-यमुना के दोआब क्षेत्र और हरियाणा की सीमा पर स्थित 'शामली' का प्राचीन नाम 'श्यामली' था । महाभारत काल में यह 'कुरु महाजनपद' का हिस्सा था ।

- 28 सितंबर, 2011 को इसे मुजफ्फरनगर जिले से अलग करके 'प्रबुद्ध नगर' के नाम से एक नया जनपद बनाया गया था । बाद में वर्ष 2012 में इसका नाम वापस बदलकर 'शामली' कर दिया गया ।

- **दर्शनीय स्थल:** कर्ण का तालाब (कैराना), पीर बिडौली, हनुमान मंदिर, गुरुद्वारा (शामली) और जैन मंदिर (जलालाबाद) यहाँ के प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं ।

- **प्रमुख उद्योग:** रिम-धुरा (Rim-axle) उद्योग, स्टील और एल्युमिनियम के बर्तनों का उद्योग, पैकेजिंग उद्योग, प्लास्टिक और रबर उद्योग तथा डिस्पोजल प्लास्टिक क्रॉकरी का उद्योग ।

- **करंट अफेयर्स:** उत्तर प्रदेश सरकार ने शामली जिले में महिलाओं के लिए एक 'पीएसी (PAC) बटालियन' स्थापित करने की घोषणा की है ।